आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 10 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 244
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

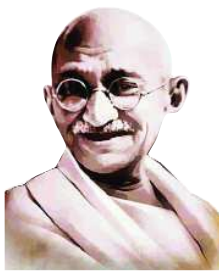

राष्ट्रपिता को नमन...

रिमझिम गिरे सावन... आज इंदौर जिले में मेहरबान हुआ बदरा... चारों और छाई हरियाली...

अंदर के पन्नों पर...

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री की पार्षदों को सलाह...

पेज-2

ज़ी 5 लेकर आ रहा है भारत भाग्य विधाता...

पेज-5

निगम को नहीं मिल रहे ठेकेदार...

पेज-6

हाईकोर्ट की फटकार के बाद भी नहीं कम हुई भारी यूनिपोलों की संख्या

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के मुख्य चौराहों, फुटपाथों और सड़क के डिवाइडरों पर तय मानकों से बड़े और भारी यूनिपोल लगा दिए गए हैं। तेज हवा या बारिश के दौरान इनके गिरने से राहगीरों और वाहन चालकों की जान पर हर वक्त खतरा मंडराता रहता है।

यातायात में बाधा, बन गए जानलेवा-बेतरतीब ढंग से सड़कों तक घेरे गए ये विज्ञापन बोर्ड चालकों का ध्यान भटकाते हैं और अंधा मोड़ पैदा करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। 11 करोड़, नहीं 200 करोड़ का है यूनिपोल घोटाला, राशि बढ़ती जा रही।

राजस्व को नुकसान पहुंचाने के साथ ही नियमों को ताक पर रखकर बिना अनुमति विज्ञापन लगाने के कारण इंदौर नगर निगम के विज्ञापन विभाग को कथित तौर पर 11 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ बताया जा रहा हैं। जबकि इंदौर नगर निगम खजाने को 200 करोड़ से नुकसान हो रहा हैं या शुद्ध शब्दों में कहे तो 200 करोड़ का यह मार्केट विभाग का बड़ा घोटाला हैं। जिसका आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा हैं।

पूर्व में व्यापक भ्रष्टाचार और वित्तीय हेरफेर के आरोपों के बाद आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने इसकी शिकायत तो दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी लेकिन ईओडब्ल्यू की जांच कछुए से भी धीमी रफ्तार पकड़े हुए हैं। फिलहाल इंदौर शहर में विज्ञापन अनुबंधों का खुला उल्लंघन हो रहा है।

महापौर का आदेश या सिर्फ पल्ला झाड़ लेना मात्र क्योंकि हाईकोर्ट की फटकार के बाद इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शहर में 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू करने की बात कही थी। उन्होंने सबसे पहले राजनेताओं को कड़ा संदेश देने के लिए खुद की तस्वीरों वाले राजनीतिक और धार्मिक होर्डिंग्स को तुरंत हटाने के निर्देश दिए तो थे लेकिन हाल ही में आयोजित कार्यक्रम में उन्हीं बैनरों, होर्डिंग और यूनीपोल पर वह खुद टंगे दिखे।

नगर निगम की टीमों ने शुरुआती दिनों में कार्यवाही करते हुए रस्म अदायगी की। और अब यह जिम्मेदारों का अभियान मात्र नौटंकी साबित हो रहा हैं। शहरभर के अवैध कटआउट, बैनर और खतरनाक अवैध यूनिपोल, जिम्मेदारों जिनमें महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगमायुक्त क्षितिज सिंघल को मुंह चिढ़ा रहे हैं। महापौर की जीरो टॉलरेंस को खुला चैलेंज दे रहे हैं। क्योंकि कावड़ यात्रा तो निकल गई। जिस तरह से स्वागत द्वार के नाम पर सडके, जिम्मेदारों के कार्यालय तक घेर लिए गए। और जिम्मेदार सहमे अपने कार्यालयों में चुपचाप बैठे रहे। लेकिन कार्यवाही के नाम पर जीरो टॉलरेंस फुस्सी बम निकला।

ईओडब्ल्यू की जांच, कछुआ चाल

लाड़ली बहना योजना

39वीं किस्त से पहले 7 लाख महिलाओं के कटे नाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश की लाड़ली बहन योजना का लाभ ले रही महिलाओं के लिए अच्छी खबर नहीं है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से लाड़ली बहना योजना की 39वीं किस्त कभी भी जारी की जा सकती है, लेकिन इस बार करीब सात लाख से अधिक महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिलेगा।

सरकार ने नियमों और पात्रता की गहन जांच के बाद इन महिलाओं के नाम सूची से बाहर कर दिए हैं। जब योजना की शुरुआत हुई थी, तब लाभार्थियों की संख्या काफी अधिक थी, लेकिन पिछले ढाई सालों में लगातार नाम छंटने के कारण अब पात्र महिलाओं का आंकड़ा घटकर करीब 1.25 करोड़ पर सिमट गया है।

उम्र सीमा और तकनीकी वजहों से छंटे लाखों नाम-लाड़ली बहन योजना में बीते तीन सालों से नए पंजीयन पूरी तरह बंद हैं। इसके उलट, उम्र सीमा पूरी होने और दूसरी कानूनी शर्तों के कारण पुरानी महिला लाभार्थियों के नाम लगातार सूची से हटाए जा रहे हैं। जब योजना शुरू हुई थी तब 1.31 करोड़ से अधिक आवेदन आए थे, जो आपत्तियों के बाद 1.29 करोड़ रहे। अब ये संख्या घटकर 1.25 करोड़ पर पहुंच चुकी है।

इंदौर में 14 हजार से ज्यादा महिलाएं बाहर-अकेले इंदौर जिले का उदाहरण लें तो शुरुआत में 4.57 लाख से अधिक महिलाओं ने आवेदन किया था, लेकिन अब केवल 4.38 लाख महिलाओं को ही हर महीने राशि मिल रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा के अनुसार, केवल अपात्र हो रही महिलाओं को ही हटाया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

- रांची : विधानसभा का घेराव करने पहुंचे छात्र, प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड लगाकर रोका गया
- गुजरात में आज से तिरंगा यात्रा का आगाज, 1200 से ज्यादा यात्राओं को मिली मंजूरी
- झारखंड : JPSC परीक्षा गड़बड़ी मामले में ED ने दर्ज किया केस
- फिल्ममेकर शकील नूरानी गिरफ्तार, एक्ट्रेस ने लगाए रेप और ब्लैकमेल के आरोप
- राम मंदिर चंदा चोरी मुद्दे को लोकसभा में उठाएंगे केसी वेणुगोपाल, स्वतंत्र जांच की मांग

छात्र राजनीति में पहली बार हुई जयस की एंट्री

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश की कॉलेज राजनीति में अब तक मुख्य मुकाबला भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और कांग्रेस के एनएसयूआई के बीच रहा है। लेकिन इस बार छात्रसंघ चुनाव में पहली बार जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) भी सीधे मैदान में उतरने जा रहा है।

जयस ने प्रदेश के सभी कॉलेजों में उम्मीदवार उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। संगठन की ओर से खासतौर पर आदिवासी समाज के युवाओं को उम्मीदवार बनाने की रणनीति तैयार की जा रही है। नौ साल बाद मध्य प्रदेश में छात्र संघ के चुनाव होने जा रहे हैं। जयस की छात्र राजनीति में एंट्री से उन कॉलेजों में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं, जहां आदिवासी विद्यार्थियों की संख्या बड़ी है। अब तक इन विद्यार्थियों को अपने साथ जोड़ने के लिए एबीवीपी और एनएसयूआई के बीच मुकाबला रहता था। जयस के सीधे मैदान में आने से पहली बार इन दोनों संगठनों के सामने आदिवासी विद्यार्थियों के बीच अपनी पकड़ बनाए रखने की चुनौती होगी।

जयस की कॉलेज राजनीति में एंट्री का ऐलान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकेश मुजाल्दे ने रविवार को आदिवासी दिवस के मौके पर इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में किया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जयस अब कॉलेजों में भी विद्यार्थियों की आवाज बनेगा और छात्रसंघ चुनाव में संगठन अपने उम्मीदवार उतारेगा। जयस छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल बघेल ने बताया कि संगठन पूरे प्रदेश के कॉलेजों में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है।

संसद में पेश होंगे चार अहम बिल, बवाल की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी) ● संसद के 2026 के मानसून सत्र के आखिरी हफ्ते आज (सोमवार, 10 अगस्त) से शुरुआत हो गई है। लोकसभा में सोमवार को 4 अहम बिल पेश होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 2 अहम बिल पेश करेंगे। इनमें केरल (अल्टरेशन ऑफ नेम) और नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन अमेंडमेंट बिल शामिल हैं। वहीं अर्जुन राम मेघवाल ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स और जी. किशन रेड्डी माइंस एंड मिनरल्स अमेंडमेंट बिल पेश करेंगे। महिला आरक्षण-डिलिमिटेशन और एफसीआरए संशोधन बिल की काफी चर्चा रही है, लेकिन ये दोनों बिल सोमवार की कार्यसूची में शामिल नहीं हैं। हालांकि विपक्ष सोमवार लोकसभा और राज्यसभा में हंगामे की तैयारी में है। अहम बात यह भी है कि सदन में रणनीति तय करने के लिए संसद में राज्यसभा में विपक्ष के नेता के कक्ष में विपक्षी दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक होगी। संसद का मानसून सत्र अभी तक हंगामे से भरा रहा है। विपक्ष ने पेपर लीक और राम मंदिर के मुद्दे पर सरकार को घेरा। इस बीच कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, 'भारत के गृह मंत्री लोकसभा और राज्यसभा से नदारद हैं. हमने गृह मंत्री से सिर्फ एक ही बात पूछी है, दिल्ली में छात्रों पर जुल्म किसने किया?

लौटा कांग्रेस का आत्मविश्वास : अब चलेगा भीतरघात रोकने का अभियान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● दतिया उपचुनाव की जीत से लौटा कांग्रेस का आत्मविश्वास, अब संगठन में छंटनी से लेकर सरकार के खिलाफ नए अभियान तक की तैयारी; बड़े नेताओं की बैठक में बनेगा ढाई साल का रोडमैप दतिया जीत के बाद कांग्रेस ने 2028 चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। 11 अगस्त बैठक में संगठन मजबूत करने पर चर्चा होगी। कांग्रेस 'स्लीपर सेल' और भीतरघात रोकने की रणनीति बनाएगी। जिला और विधानसभा प्रभारी व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। दतिया मॉडल को पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी है।

दतिया उपचुनाव की जीत कांग्रेस के लिए सिर्फ एक विधानसभा सीट जीतने की कहानी नहीं है। पार्टी के भीतर अब इसे 2028 की तैयारी के लिए संगठन को दोबारा खड़ा करने के मौके के तौर पर देखा जा रहा है।

इसी जीत के बाद 11 अगस्त को भोपाल में कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की अहम बैठक होने जा रही है। लेकिन इस बैठक का असली सवाल सिर्फ सरकार को घेरने की रणनीति नहीं है।

बड़ा सवाल संगठन के भीतर का है, कौन पार्टी के साथ खड़ा है और चुनाव के समय कौन पार्टी को नुकसान पहुंचा रहा है? कांग्रेस नेता पीसी शर्मा के 'स्लीपर सेल' और 'फूल छाप कांग्रेसियों' को लेकर दिए गए बयान ने इस सवाल को और राजनीतिक बना दिया है।

यानी दतिया की जीत के बाद कांग्रेस अब सिर्फ जीत का जश्न मनाने के बजाय 2028 से पहले संगठन की अंदरूनी सफाई और राजनीतिक पुनर्गठन की दिशा में बढ़ती दिखाई दे रही है।

दतिया ने कांग्रेस को जीत से ज्यादा 'फॉर्मूला' दिया? विजयपुर के बाद दतिया की जीत ने कांग्रेस को एक ऐसा आत्मविश्वास दिया है, जिसकी पार्टी को लंबे समय से जरूरत थी। अब पार्टी यह देखना चाहती है कि जिस संगठनात्मक रणनीति ने दतिया में काम किया, उसे प्रदेश के दूसरे इलाकों में कैसे दोहराया जाए। यही वजह है कि 11 अगस्त की बैठक को सामान्य समीक्षा बैठक से ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यहां संगठन, जमीनी अभियान, सरकार के खिलाफ मुद्दे और चुनावी तैयारी के साथ-साथ भीतर से नुकसान पहुंचाने वाले लोगों पर कार्रवाई की रणनीति पर भी चर्चा होने की बात कही गई है।

छात्रों का एआई गुरु अब एआई बना बच्चों का नया ट्यूटर; गणित, निबंध, प्रोजेक्ट और साइंस असाइनमेंट में ले रहे हैं मदद

किताबों से चैटजीपीटी तक पहुंची पढ़ाई, बच्चे एक क्लिक में ढूंढ रहे जवाब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कभी होमवर्क में माता-पिता की मदद ली जाती थी, अब बच्चों का नया 'ट्यूटर' एआई बन गया है। मिडिल और सीनियर क्लास के कई छात्र गणित के सवालों से इंग्लिश के लेकर हिंदी- निबंध, प्रोजेक्ट और साइंस असाइनमेंट तक चैटजीपीटी और दूसरे एआई टूल्स से तैयार करा रहे हैं। इससे स्कूलों के सामने बड़ा सवाल खड़ा हो गया है- क्या बच्चे सीख रहे हैं या सिर्फ उत्तर जमा कर रहे हैं?

शिक्षकों के लिए नई चुनौती- शिक्षकों का कहना है कि एआई से तैयार उत्तर अधिक व्यवस्थित और

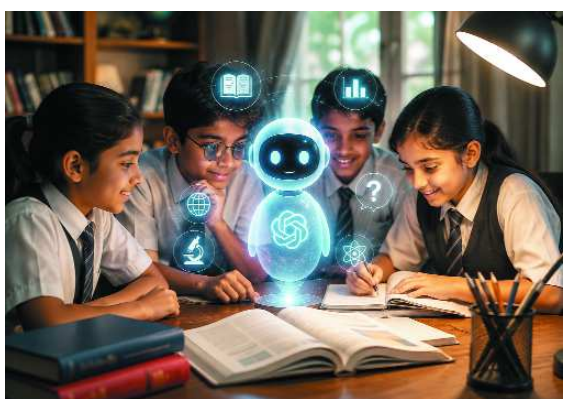

परिपक्व दिखाई देते हैं। ऐसे में कई बार पहचान पाना मुश्किल हो जाता है कि उत्तर विद्यार्थी ने लिखा है या एआई ने।

फायद-कठिन विषय आसान भाषा में समझाता है। प्रोजेक्ट और प्रेजेंटेशन जल्दी तैयार हो जाते हैं। अलग-अलग स्रोतों की जानकारी एक जगह मिलती है। परीक्षा की तैयारी में समय बचता है।

नकसान-सोचने-लिखने की आदत कमजोर होगी। म गलत या अधूरी जानकारी मिलने का खतरा। म कॉपी-पेस्ट संस्कृति बढ़ने का जोखिम । शिक्षकों के लिए असली और एआई से बने उत्तर पहचानना मुश्किल ।

एआई का उपयोग किस काम में सबसे ज्यादा

प्रोजेक्ट	62%
निबंध	48%
होमवर्क	40%
गणित	41%
प्रेजेंटेशन	29%

(आंकड़े छात्रों और शिक्षकों से बातचीत पर आधारित)

क्या कहते हैं शिक्षक

गरिमा विद्यालय के कंप्यूटर शिक्षक अंशुल चौहान बताते हैं कि 9वीं से 12वीं तक के छात्र प्रोजेक्ट, निबंध और गणित विषयों में एआई का सबसे अधिक उपयोग कर रहे हैं। इससे समय बचता है और विषय से जुड़ी जानकारी एक ही जगह मिल जाती है। हालांकि एआई पढ़ाई का विकल्प नहीं, बल्कि सहायक माध्यम होना चाहिए।

पुरानी दोस्ती और नए सियासी समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी) ● पंजाब की राजनीति में एक बार फिर बड़े फेरबदल और नए सियासी समीकरणों के संकेत मिलने लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के बीच हुई मुलाकात के पीछे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक अहम सूत्रधार बनकर उभरे हैं।

पंजाब में भाजपा और अकाली दल के बीच जमी सियासी बर्फ को पिघलाने और दोनों दलों के पुराने रिश्तों को दोबारा जोड़ने की इस पूरी कवायद में सीएम नायब सैनी ने पर्दे के पीछे से मुख्य भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री मोदी

से मिलने से ठीक दो दिन पहले 4 अगस्त को चंडीगढ़ में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और सुखबीर सिंह बादल के बीच करीब 20 मिनट तक बंद कमरे में मुलाकात हुई थी। सूत्रों के मुताबिक, इसी मुलाकात के बाद सुखबीर बादल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का रास्ता साफ हो सका।

न्यूज ब्रीफ

पेन्शनर सम्मेलन 11 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 11 अगस्त को 11 बजे वरिष्ठ नागरिक पेन्शनर एसोसिएशन जिला इंदौर के तहसील अध्यक्ष देपालपुर श्री सूरजसिंह बोड़ाना के संयोजकत्व में देपालपुर में विशाल पेन्शनर सम्मेलन होगा। इसमें पत्रकारों का सम्मान भी किया जाएगा। आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

छतों से बिजली उत्पादन अब बढ़कर 82 हजार से ज्यादा स्थानों पर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिम मप्र में रूफ टॉप सोलर नेट मीटर का आंकड़ा 82 हजार तक गया है। कुल उत्पादन क्षमता 495 मैगावाट के करीब हो गई है। रूफ टॉप सोलर की कुल संख्या में से संपूर्ण इंदौर नगरीय क्षेत्र में 33 हजार से ज्यादा सोलर संयंत्र स्थापित हैं, यह मप्र के अन्य शहरों से कई गुना ज्यादा है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में पश्चिम क्षेत्र अग्रणी है। यहां पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में करीब 65 हजार स्थानों पर संयंत्र लगाए गए है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 55000 बिजली उपभोक्ताओं को सोलर संयंत्र लगाने पर करीब 450 करोड़ रूपए से ज्यादा की सब्सिडी डीबीटी से वितरित हो चुकी हैं। छतों से सोलर उत्पादन में इंदौर नगरीय क्षेत्र करीब 33 हजार स्थानों के साथ प्रदेश में अव्वल हैं, वहीं दूसरा स्थान उज्जैन जिला 7500 स्थान, तीसरा स्थान रतलाम जिला 6800, चौथा स्थान देवास जिला 4900, पांचवा स्थान मंदसौर जिला 4500 स्थानों पर ऊर्जा उत्पादन वाला हैं।

शासकीय कर्मचारियों की तिरंगा यात्रा 11 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष हर घर तिरंगा के आव्हान पर निकाली जाने वाली शासकीय कर्मचारियों की तिरंगा यात्रा दिनांक 11अगस्त मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय से महू नाका महाराणा प्रताप प्रतिमा तक निकाली जाएगी। यात्रा को जिला कलेक्टर शिवम वर्मा एवं सी ई ओ जिला पंचायत हिमांशु प्रजापति रवाना करेंगे।

बजाज ऑटो ने ऑल-न्यू पल्सर एन160 एस और एन160 एसएसलॉन्च की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दुनिया की सबसे मूल्यवान टू और थ्री-व्हीलर निर्माता कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड ने आज ऑल-न्यू पल्सर एन160 एस और पल्सर एन160 एसएस के लॉन्च की घोषणा की। इसके साथ कंपनी ने अपनी बेहद सफल पल्सर एन160 रेंज का विस्तार किया है।

फीनिक्स प्राइड ऑफ इंडिया के साथ इंदौर में नए दौर की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर का पॉपुलर शॉपिंग डेस्टिनेशन फीनिक्स सिटाडेल अब 'फीनिक्स प्राइड ऑफ इंडिया' के नए नाम से जाना जाएगा। फीनिक्स मिल्स लिमिटेड ने अपने इस खास सेंटर के नए लुक और पहचान को सामने रखा है, जो इंदौर शहर के लिए एक नए दौर की शुरुआत है। इस खास मौके पर भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा खास तौर पर मौजूद रहे। उन्होंने आए हुए मेहमानों, मीडिया और इंदौर के लोगों के साथ मिलकर भारत के कल्चर, विरासत और देश की उपलब्धियों को सेलिब्रेट किया।

नए अध्ययन में सामने आए एंथोसायनिन के फायदे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● द अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन और मेटा-एनालिसिस के अनुसार, लाल, नीले और बैंगनी रंग के खाद्य पदार्थों में पाए जाने वाले प्राकृतिक बायोएक्टिव तत्व एंथोसायनिन का अधिक सेवन स्वस्थ लोगों में हृदय और मेटाबॉलिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकता है। क्लिनिकल ट्रायल्स में यह भी पाया गया कि प्रतिदिन 50 मिलीग्राम या उससे अधिक मात्रा में एंथोसायनिन का सेवन करने से रक्त वाहिकाओं की कार्यक्षमता और इंसुलिन के स्तर में सुधार देखा गया।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री की पार्षदों को सलाह- एक घंटे मोबाइल से दूर रहो, परिवार को समय दो

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने रविवार को इंदौर दौरे पर पार्षदों की क्लास ली। उन्हें राजनीति को लेकर मंत्र दिए। इसमें सबसे अहम रहा कि परिवार को समय दो, एक घंटे मोबाइल को छोड़ दो।

बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने 9 अगस्त रविवार को इंदौर दौरे पर एक पेड़ मां के नाम अभियान में शिरकत की। इसके बाद वह बीजेपी दफ्तर पहुंचे और यहां पर पहले बीजेपी पार्षदों के साथ बैठक की। इसमें उन्हें राजनीति को लेकर मूलमंत्र दिए। फिर संभागीय जिलाध्यक्षों की बैठक लेकर आगे की चुनाव और संगठन की मजबूती, विस्तार पर बात की। बीएल संतोष ने पार्षदों की क्लास लेते हुए कई अहम बातें की। इसमें कहा गया कि पहले सभी अपने पांच अच्छे काम याद करो जो आपने पार्षद रहते हुए किए हैं। इसके बाद वह काम याद करो जो करना चाहते थे नहीं कर सके। इनसे आपको मैदान में रहकर और काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

संतोष ने कहा कि पार्षद का काम कठिन होता है। स्थानीय सभी लोग पार्षद से उम्मीद करते हैं कि वह उनकी मूलभूत समस्याओं को दूर करें। इन्हीं से राज्य सरकार और केंद्र सरकार तक की छवि बनती है।

इसलिए दिन भर मैदान और मोबाइल पर रहने के साथ ही परिवार के लिए पूरा समय निकालें। परिवार के साथ भोजन करें, जब घर जाएं तो एक घंटे मोबाइल को दूर रख दें। उन्हें समय दें। इससे पहले महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नगर निगम की चार साल के काम गिनाएं और परिषद को लेकर जानकारी दी।

बीएल संतोष ने कहा कि पत्नी से लगातार चर्चा करते रहें। इसी दौरान पार्षद सुरेश कुरवाड़ ने सवाल किया कि मोबाइल बंद किया तो लोग समझते हैं कि पार्षद तो समस्या सुन नहीं रहा। इसी बीच बीजेपी नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि इनकी तो शादी ही नहीं हुई।

इसके साथ ही बीएल संतोष, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, सुमित मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा की उपस्थिति में इंदौर संभाग की महत्वपूर्ण बैठक भी हुई। इसमें संतोष ने कहा कि हम और हमारे जनप्रतिनिधि लगातार संगठन के लिए कार्य करते रहते हैं। कार्यकर्ताओं का फोकस 18 वर्ष से 25 वर्ष तक के युवाओं को जोड़ने का हो।

इंदौर। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष रविवार को इंदौर प्रवास के दौरान पितृ पर्वत पर पित्रेश्वर हनुमान मंदिर दर्शन करने पहुंचे।

भाजयुमो नेता मयूरेश पिंगले पर कारोबारी ने लगाए आरोप

2.18 करोड़ लेने के बाद नहीं दिया जमीन का कब्जा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में जमीन के सौदे से जुड़ा मामला सामने आया है, जिसमें कारोबारी ने भाजपा नेता मयूरेश पिगले समेत अन्य लोगों पर 2.18 करोड़ रुपए से अधिक की रकम लेने के बावजूद जमीन की रजिस्ट्री और कब्जा नहीं देने का आरोप लगाया है। कारोबारी का दावा है कि शिकायत के बावजूद अब तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। मामला सांवेर क्षेत्र के ग्राम भंवरासला स्थित सर्वे नंबर 200/5/1 की 16 हजार वर्गफीट जमीन का बताया जा रहा है। कारोबारी विजय सिह सोनगरा ट्रांसफॉर्मर प्लांट स्थापित करने के लिए जमीन खरीदना चाहते थे। उनके अनुसार 11 मार्च 2023 को सुरेश पिगले से जमीन का सौदा करीब 2.16 करोड़ रुपए में तय हुआ था। आरोप है कि सौदे के बाद उन्होंने आरटीजीएस और नकद के जरिए कुल 2.18 करोड़ से अधिक का भुगतान सुरेश पिगले, उनके बेटे मयूरेश और मैनेजर राजेश जैन को किया। नकद भुगतान के दौरान डायरी में हस्ताक्षर किए जाने का भी दावा किया गया है। आरोप है कि पूरी रकम लेने के बाद भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं कराई गई और न ही कब्जा दिया गया। कारोबारी ने विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित के मुताबिक वह चार महीनों से पुलिस अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहा है। उसने राजनीतिक रसूख के कारण कार्रवाई प्रभावित होने का आरोप भी लगाया है।

ट्रस्ट के चुनाव में धांधली को लेकर भी जल चुके चुनाव अधिकारी के पुतले

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

दामोदर वंशी जूना गुजराती दर्जी समाज कड़छा ट्रस्ट के चुनाव जनवरी 2026 में संपन्न हुए थे।चुनाव प्रत्याशियों ने अपनी ओर से जमानत राशि चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल के समक्ष जमा की थी लेकिन चुनाव हुए को सात महा बीत जाने के बाद भी चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल द्वारा प्रत्याशियों को राशि का भुगतान नहीं किया गया है। लगातार अवगत कराने के बाद भी चुनाव अधिकारी मामले को टालमटोल करते रहे प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय चुनाव की राशि एक माह से तीन माह के अंदर दी जाती है। लेकिन चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल ने प्रत्याशियों को कहा जमानत राशि 6 माह में दी जाएगी लेकिन 7 माह बाद जब प्रत्याशियों ने संपर्क किया चुनाव अधिकारी की नियत खराब होने लगी और प्रत्याशियों को पैसे ना लौटने की नौटंकी करने लगे इतना ही नहीं चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल पर ट्रस्ट के चुनाव में धांधली के गंभीर आरोप लगे थे जगह-जगह दर्जी समाज के समाजसेवियों ने उनके पुतले जलाए थे। साथ ही रिकाउंटिंग आवेदन और राशि देने के बाद पुन: रिकाउंटिंग भी नहीं की गई।

कड़छा ट्रस्ट के चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल

इतना ही नहीं मतगणना सीट में काटा पीटी कर प्रतिबंधित प्रत्याशी को चुनाव में जीत दी गई। जिसको लेकर मामला सिविल न्यायालय में लंबित है।

निष्पक्ष और जिम्मेदार होने के नाते चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल को प्रत्याशियों का समय पर भुगतान करना था लेकिन नियमों को ताक पर रखकर जमानत राशि हड़प करने की नीयत से आज तक नहीं दी गई चुनाव अधिकारी की यही हरकत दर्जी समाज में चर्चा का विषय बन गई एक तरफ तो समाज ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनाव अधिकारी बनाया था। वही दूसरी तरफ चुनाव अधिकारी पर राशि गबन करने और चुनाव में धांधली करने के गंभीर आरोप लग गए लेकिन याद रहे जो दाग समाज ने आपके ऊपर लगाए हैं। वह कभी साफ नहीं होंगे क्योंकि अहंकार रावण का भी ना चला तो फिर आप तो चुनाव अधिकारी थे। इस मामले की जानकारी कड़छा विकास पैनल के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार राजवीर चौहान ने दी है उन्होंने यह भी कहा है कि चुनाव अधिकारी के साथ सहयोगी अधिकारियों ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है कहीं ना कहीं इनकी मौन स्वीकृति में इनका सहयोग दिखाई दे रहा है।

पंचकुईया भूतेश्वर महादेव मंदिर पर 1 लाख बिल्व पत्रों से पूजा अर्चना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंचकुइया स्थित श्री भूतेश्वर महादेव मन्दिर पर सावन के पहले दिन से चल रहे सर्व मनोकामना सिद्धिप्रद अहर्निश लक्ष्य बिल्वार्चन चिंतामणि महाप्रयोग में दिनोंदिन भक्तों का दिन-रात मेला जुट रहा है। 11 लाख बिल्व पत्र समर्पित किए जा चुके हैं। विद्वानों, आचार्यों और ब्राह्मणों के सानिध्य में प्रतिदिन शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के बीच 1 लाख बिल्व पत्र से रुद्राभिषेक, रुद्रपाठ एवं शिव आराधना से समूचा पंचकुईया क्षेत्र गुंजायमान हो रहा है।

151 जोड़ो के द्वारा पार्थिव महाशिवरुद्राभिषेक एवं 1000 से अधिक लोगों द्वारा सवा लाख नमः शिवाय एवं भारत माता पूजन संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप इंदौर के मीडिया प्रभारी डॉ आर एन मिश्रा राजाराम तिवारी एवं मुनींद्र पाठक अनिल त्रिपाठी जी ने बताया कि हिंदू सनातन धर्म के पवित्र श्रावण माह की एकादशी तिथि पर प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रुप के द्वारा सुखद वर्षा,जन कल्याण के संकल्प को 151 जोड़ो के द्वारा सामूहिक पार्थिव महाशिवरुद्राभिषेक सवा लाख नम: शिवाय मंत्र जप एवं भारत माता का पूजन किया गया।

मुनिश्री साध्यसागर महाराज की हुई चातुर्मास कलश स्थापना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के कुल गौरव मुनि साध्यसागर ने कहा कि चातुर्मास आत्मचिंतन और आत्म की ओर लौटने का अवसर बीसपंथी मंदिर मल्हारगंज में चातुर्मास साधना कर रहे। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस वर्ष का वर्षायोग चातुर्मास कलश की मंत्रोच्चार के साथ स्थापना मोदी जी की नसिया परिसर में आचार्य सिद्धांत सागर महाराज एवं आचार्य विप्रणत सागर महाराज के सानिध्य में संपन्न हुई ।

तीर्थो की रक्षा करने के लिए बहुत बड़ा जमीर चाहिए - सुनील सागर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● चतुर्थ पट्टाधीश राष्ट्र संत आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने आज अपने प्रवचन में कहा कि नए-नए तीर्थ - मंदिर बने इनकी भी जरूरत है किंतु हमें हमारे पुराने तीर्थों - मंदिरों का भी ख्याल रखना होगा । चातुर्मास में एकत्रित राशि का चौथाई भाग तीर्थ रक्षा हेतु सुरक्षित रखना होगा। गिरनार जी के संदर्भ में आपने कहा कि भगवान हमारे , मूर्तियां हमारी , चरण हमारे भगवानों के हैं और अधिकार जताने वाले कोई और है ।आज आवश्यकता है निकलंक जैसे धर्म के लिए प्राण न्योछावर करने वालों की । तीर्थ की रक्षा करने के लिए बहुत बड़ा जमीर चाहिए।

ऑनलाइन मैट्रिमोनी मीट में 243 हाइली एजुकेटेड व प्रोफेशनल युवक-युवतियों ने साझा किए जीवनसाथी से जुड़े विचार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतीय श्वेताम्बर जैन महिला संघ द्वारा आयोजित ऑनलाइन मैट्रिमोनी मीट में भारत सहित जर्मनी, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया एवं कनाडा से 243 हाइली एजुकेटेड एवं प्रोफेशनल अविवाहित युवक-युवतियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपना परिचय देते हुए शिक्षा, व्यवसाय, रुचियों, जीवनसाथी की पसंद एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम का शुभारंभ मेंटर वीरेंद्र कुमार जैन, अध्यक्ष स्नेह कटारिया, संस्थापक रेखा जैन, सचिव पूजा जैन, रेखा नानावटी, कोषाध्यक्ष संगीता पोखरना एवं पूर्व अध्यक्षों ने दीप प्रज्वलन कर किया। उम्मीदवारों ने कहा कि जीवनसाथी का चयन केवल शिक्षा या आर्थिक स्थिति के आधार पर नहीं, बल्कि आपसी समझ, संस्कार, विचारों की समानता, सम्मान एवं परिवार के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

नेशनल पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत विकास परिषद विवेकानंद द्वारा नेशनल पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया। सन 1967 से संचालित चार स्तरीय राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता का आयोजन भारत भर में किया जाता है। इंदौर के 18 प्रतिष्ठित विद्यालयों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर सभी को मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियां देकर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। बहुत कठिन प्रतियोगिता में एडवांस पब्लिक स्कूल प्रथम, सन्मति स्कूल द्वितीय, एवं संत नॉरबर्ट स्कूल तृतीय रहे। क्वींस कॉलेज ने उच्च स्तर की प्रस्तुति दे कर विशेष स्थान प्राप्त किया।

रविवार को राजबाड़ा में 'जीरो टॉलरेंस' की छुट्टी!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दृश्य बड़ा दिलचस्प था। नगर निगम का रिमूव्हल दल पूरी शान से मुख्य सड़क पर तैनात था। करीब दस-बारह निगमकर्मी, साथ में पीली जीप मानो अतिक्रमण के खिलाफ कोई बड़ा ऑपरेशन शुरू होने वाला हो। रिमूव्हल दल सड़क पर था और सड़क के किनारे फुटपाथ पर कारोबार अपने पूरे शबाब पर! कहीं हाथ ठेले वाले सामान बेच रहे थे, कहीं फुटपाथ पर अस्थायी दुकानें सजी थीं। उधर अटाला बाजार में महिलाओं की भारी भीड़, धक्का-मुक्की और आवाजाही की अव्यवस्था अपने चरम पर थी। और सबसे दिलचस्प बात जिन्हें व्यवस्था संभालनी थी, उनमें से कई मोबाइल में रील देखने में व्यस्त नजर आए। शायद निगम की नई कार्यप्रणाली में अतिक्रमण हटाने से पहले रील देखना भी 'फील्ड ट्रेनिंग' का हिस्सा हो गया है! बस फर्क इतना था कि निगम का अमला 'तैनात' था और फुटपाथ का कारोबारी 'व्यस्त'। किसी को दुकानदारी की चिंता थी, किसी को खरीदारी की और किसी को मोबाइल की रील की। सड़क पर आम आदमी रास्ता खोज रहा था और फुटपाथ पर कारोबार अपनी जगह खोज चुका था।

अटाला बाजार से निहालपुरा तक 'व्यवस्था' का विस्तार-आगे बढ़िए तो निहालपुरा, बाहर गोपाल मंदिर, शिवविलास पैलेस, पीपली बाजार और खजुरी बाजार की ओर भीड़ का वही आलम दिखाई देता है। फुटपाथ कारोबारियों की लंबी कतारें। हाथ ठेले। सामान से भरे रास्ते। खरीदारों की भीड़। वाहनों की आवाजाही। और पैदल चलने वाले नागरिकों के लिए बचा हुआ रास्ता बस उतना, जितने में वे किसी तरह अपने शरीर को बचाकर निकल जाएं। यह राजबाड़ा का रविवार था। जहां बाजार छुट्टी के मूड में नहीं था, ग्राहक छुट्टी के मूड में नहीं थे और फुटपाथ कारोबारी तो बिल्कुल भी छुट्टी के मूड में नहीं थे।

जीरो टॉलरेंस या जीरो एक्शन?

नगर निगम की ओर से फुटपाथ और अतिक्रमण को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' की नीति की बातें अक्सर सुनाई देती हैं। लेकिन राजबाड़ा के रविवार के इस दृश्य को देखकर लगता है कि कहीं यह नीति कागजों में तो 'जीरो टॉलरेंस' और जमीन पर 'जीरो एक्शन' तो नहीं हो गई? अगर अतिक्रमण खुलेआम मौजूद है, फुटपाथ पर कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है और मुख्य बाजार में पैदल चलना तक चुनौती बन गया है, तो फिर 'जीरो टॉलरेंस' आखिर किसके लिए है?

106 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी बसंती लाल पांडे हुए सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्रांति दिवस के अवसर पर आज कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन में आयोजित कार्यक्रम में 106 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी बसंती लाल पांडे, उत्तराधिकारी सुधीर सेठीया, उमेश पारीख, ओमप्रकाश वर्मा, राजेन्द्र बाबेल,अ,भा, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया का शाल श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत वंदन करते हुए डॉक्टर श्रीमती अर्चना जायसवाल कार्यक्रम आयोजक शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे जी एवं समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे

भारत विकास परिषद ने रोपे फलदार और औषधीय पौधे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वृक्षारोपण यदि केवल पौधे लगाने का कर्मकांड न रहकर आने वाली पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का संकल्प बन जाए, तो उसका अर्थ कहीं व्यापक हो जाता है। लोकमान्य नगर स्थित देववाणी वेदविद्यापीठ में भारत विकास परिषद, अहिल्यानगरी शाखा द्वारा आयोजित वृहद् पौधरोपण कार्यक्रम इसी व्यापक पर्यावरण चेतना का परिचायक बना। श्रावण मास में आयोजित यह कार्यक्रम परिषद की इस वर्ष की पौधरोपण श्रृंखला की तीसरी कड़ी थी।

बीजेपी को एक सुर में बांध गई बाणेश्वरी कावड़ यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खबरों के संसार में काफी दिन से चल रहा है कि निगम-मंडल समेत प्राधिकरण नियुक्ति में इंदौर के बीजेपी नेताओं की उपेक्षा की जा रही है। कई दिनों से इन्हें इंतजार था कि भोपाल से लिस्ट जारी होगी, जिसमें इंदौर के नेताओं को तवज्जो दी जाएगी। इंदौर विकास प्राधिकरण में भी नियुक्ति को लेकर बीजेपी नेताओं को काफी दिन से इंतजार है, लेकिन आला नेताओं में सहमति नहीं बनने के कारण वो लिस्ट भी रुकी हुई है। ऐसे में इंदौर से निकलने वाली एक यात्रा ने इंदौर की गुटबाजी को एक सिरे में पिरो दिया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 10 अगस्त 2026

प्रदेश के शहरों में बाढ़ जैसे हालात, भोपाल में स्कूल बंद

भोपाल (एजेंसी) ● मध्य प्रदेश में सोमवार को भोपाल, हरदा, रायसेन, उज्जैन समेत कई जिलों में भारी बारिश जारी है। नर्मदा नदी उफान पर है और कई जगह पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जुहिला बांध के 5 गेट खोले गए हैं। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में भारी बारिश के कारण पसरहा पारा गांव में बाढ़ आ गई। इससे करीब 200 लोग 24 घंटे तक फंसे रहे। ने नावों की मदद से 10 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी लोगों को सुरक्षित निकालकर राहत शिविर पहुंचाया। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद और बिजनौर में 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। हालात ऐसे हैं कि लोग अपने घर और गांव छोड़कर सड़कों पर टेंट लगाकर रहने को मजबूर हैं। रात में भी लोग सड़कों पर ही सो रहे हैं।

प्रदेश के 21 जिलों में आज अलर्ट

प्रदेश में सोमवार को भी 21 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल में तो रात भर से तेज बारिश हो रही है। उज्जैन संभाग में भी बारिश जारी है।

राजस्थान के 7 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी राजस्थान में मानसून पूरी तरह से एक्टिव है। मौसम विभाग ने आज से राज्य के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताते हुए 7 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

किस्मत कनेक्शन... साहब के जीवन में हनी लाई भूचाल, माल नहीं कूट पाए मंत्री जी

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के कॉलम बोल हरि बोल में पढ़िए मध्य प्रदेश की सियासत के किस्मत कनेक्शन वाले किस्से। मंत्री की डील, साहब की परेशानी और राजनीतिक हलचल की पूरी कहानी... किस्मत से बड़ा कुछ नहीं होता। जो आपके हिस्से में है, वह मिलकर रहेगा और जो नहीं है, वह कितनी भी कोई कोशिश कर ले, उसे नहीं मिलता। मध्य प्रदेश की सियासत के कुछ ऐसे ही किस्से हैं, जो किस्मत कनेक्शन की कहानी बयां करते हैं। आप तो सीधे नीचे उतर आइए और रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

किस्मत ने धोखा दे दिया!

कहते हैं, किस्मत में जो लिखा हो, वही मिलता है। फिर चाहे मेहनत की कमाई हो या मलाई की जुगाड़। अब मंत्री जी का ही मामला देख लीजिए। अपने विभाग के एक मंडल में वे अपने प्रभाव से कुछ बड़ा हासिल करना चाहते थे। सूत्र बताते हैं कि 150 करोड़ रुपये की डील थी, उसके लिए प्लानिंग पूरी हो गई थी, पर तभी निगम में अध्यक्ष जी की एंट्री हो गई। अध्यक्ष जी को जैसे ही मंत्री जी की योजना की भनक लगी, उन्होंने ब्रेक लगा दिया। फिर बातचीत हुई, रास्ता निकालने की कोशिश हुई और मामला दोबारा पटरी पर आ गया। अब मंत्री जी और अध्यक्ष जी मिलकर मलाई खाने की तैयारी में थे, तभी एक अफसर ने फाइल रोक दी। बस फिर क्या था, रायता फैल गया। मामला मीडिया तक पहुंच गया और जो खेल अंदर ही अंदर चल रहा था, वह चर्चा में आ गया। मंत्री जी की मलाई वाली प्लानिंग धरी रह गई और अध्यक्ष जी भी खाली हाथ रह गए।

हनी लौटी तो साहब फिर फंस गए!

वक्त गुजर जाता है, कहानी पुरानी हो जाती है, लेकिन कुछ किस्से पीछा नहीं छोड़ते। अब एक साहब का मामला ही देख लीजिए। कई साल पहले जिले में पदस्थ रहते हुए उनका एक महिला से रिश्ता था। फिर हालात बदले और रास्ते अलग हो गए। समय बीता तो कहानी भी पुरानी पड़ गई थी, लेकिन साहब की किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था। मैडम उनके जीवन में फिर लौट आई थीं और उन्होंने साहब को चंगुल में फंसा लिया था। साहब हनीट्रैप में फंस गए थे। जब उन्हें समझ आया तो बचाव के लिए अपने विभाग के ठाकुर साहब यानी मंत्री जी की शरण में पहुंच गए। अपने स्वभाव के मुताबिक मंत्री जी ने साहब को उस मुसीबत से तो निकाल दिया, लेकिन अब साहब खुद दूसरी परेशानी में फंस गए हैं। जी हां, मंत्री जी अब साहब को अपने इशारे पर नचा रहे हैं।

विभाग में फैला प्रदूषण

समय बड़ा बलवान होता है और दुनिया गोल। कब कौन किससे कहां दोबारा टकरा जाए, यह कहा नहीं जा सकता। यह किस्सा इसी की बानगी है। दरअसल, एक अधीनस्थ ने अपने साहब को टारगेट पर लेकर उन्हें विभाग से पहले हटवा दिया था। अधीनस्थ की भी विभाग से विदाई हो गई थी, लेकिन वे अपने प्रभाव से दोबारा उस विभाग में आ गए थे। अब दिलचस्प यह है कि बड़े साहब फिर उसी विभाग में लौट आए हैं, जहां अधीनस्थ पदस्थ है। इस तरह बड़े साहब के पुराने जख्म अब हरे हो गए हैं और उन्होंने अधीनस्थ को अपने टारगेट पर ले लिया है। इसका नतीजा यह है कि विभाग में अब अजीब तरह का प्रदूषण फैल रहा है।

आका को चमकाने चले थे, खुद ही चमका गए!

कहते हैं, खरबूजा चाकू पर गिरे या चाकू खरबूजे पर, कटता खरबूजा ही है। लेकिन राजनीति में कभी-कभी चाकू भी अपना काम भूल जाता है और पूरा मामला उल्टा पड़ जाता है। अब एक मंत्री जी का किस्सा ही देख लीजिए। हाल ही में मंत्री जी पंत प्रधान से मुलाकात करने पहुंचे थे। मुलाकात हुई, तस्वीरें भी आईं और मामला सामान्य था। लेकिन मंत्री जी की पीआर टीम ने खबर कुछ ऐसी चला दी कि कहानी ही पलट गई। खबर में ऐसा लगा मानो पंत प्रधान को ही मंत्री जी से मिलने की जरूरत पड़ गई हो। बस फिर क्या था, मीडिया की नजर पड़ी और मामला चर्चा में आ गया। जो खबर मंत्री जी की छवि चमकाने के लिए तैयार की गई थी, वही उनके लिए किरकिरी बन गई। अब राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है कि अति उत्साह में पीआर करने वालों ने आका को चमकाने के चक्कर में उन्हें ही आईना दिखा दिया।

भाई साहब की खास मुलाकात... सियासत फिर गरम!

पंडित जी ने दिल्ली में पंत प्रधान से मुलाकात क्या की, प्रदेश की सियासत में चर्चाओं का बाजार फिर गर्म हो गया है। मुलाकात की तस्वीर सामने आते ही इसके अपने-अपने मायने निकाले जाने लगे हैं। कोई इसे संगठन में भाई साहब की बढ़ती भूमिका से जोड़ रहा है, तो किसी को लगता है कि जल्द ही उन्हें केंद्रीय टीम में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। हालांकि मुलाकात में क्या बात हुई, इसका खुलासा तो नहीं हुआ, लेकिन राजनीतिक गलियारों को चर्चा का नया मसाला जरूर मिल गया है। समर्थक भी कहां पीछे रहने वाले थे। मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर आई तो किसी ने इसे बड़े बदलाव का संकेत बताया, तो किसी ने भाई साहब की वापसी का ट्रेलर करार दिया। विरोधियों ने भी अपनी-अपनी व्याख्या शुरू कर दी है। हकीकत तो भाई साहब ही जानें...?

पैर काटे, संकल्प नहीं; संघर्ष ने सदानंदन मास्टर को संसद तक पहुंचाया!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रख्यात शिक्षाविद्, चिंतक एवं राज्यसभा सांसद सी. सदानंदन मास्टर ने इंदौर में अपने जीवन की उस त्रासदी को याद करते हुए यह बात कही, जिसने उनकी जिंदगी को दो हिस्सों, हमले से पहले और हमले के बाद, में बांट दिया। उन्होंने कहा कि 1994 में कन्नूर में राजनीतिक हिंसा का शिकार होने के बाद लंबे उपचार और कृत्रिम पैरों के सहारे उन्होंने जीवन को फिर खड़ा किया, लेकिन संघ से मिले आत्मविश्वास, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के स्नेह और समाज के सहयोग ने उन्हें कभी निराशा अथवा असहायता के भाव में नहीं जाने दिया। संस्था 'सार्थक' द्वारा आयोजित प्रेरक व्याख्यान में 'संघर्ष से संसद तक : वैचारिक प्रतिबद्धता' विषय पर बोलते हुए सदानंदन मास्टर ने अपने जीवन के संघर्ष, कन्नूर की राजनीतिक परिस्थितियों, वैचारिक यात्रा, संघ से जुड़ाव और राज्यसभा तक पहुंचने के अनुभवों को साझा किया। आयोजन में उनके संबोधन के बाद एंकर हार्दिक दवे ने उनसे संवाद किया, जिसमें उनके जीवन के उन पहलुओं पर भी सवाल हुए, जो सामान्यत: किसी सार्वजनिक परिचर्चा का हिस्सा नहीं बनते।

कन्नूर के रक्तरंजित दौर को याद किया!

सदानंदन मास्टर ने कन्नूर के दशकों पुराने राजनीतिक संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा और हत्याओं की घटनाएं होती रहीं। उनके अनुसार, मार्क्सवादी राजनीति के मजबूत प्रभाव वाले इस क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विस्तार के साथ वैचारिक टकराव बढ़ा। उन्होंने कहा कि संघ ने समाज के लोगों के साथ आत्मीय संबंध, निरंतर संपर्क और संवाद के माध्यम से अपनी गतिविधियां बढ़ाईं और बड़ी संख्या में युवा उससे जुड़े।

सात पवित्र नदियों का जल लेकर हजारों माहेश्वरी बंधुओं ने किया भोले भंडारी का जलाभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं संस्था माहेश्वरी कुटुम्ब की संयुक्त मेजबानी में रविवार को रिंग रोड स्थित परस्पर गार्डन से निकली जय महेश कावड़ यात्रा ने समूचे मार्ग को भोले बाबा की भक्ति के रंग में डुबोए रखा। कावड़ पूजन एवं आरती के बाद नर्मदा, क्षिप्रा, गंभीर, कालीसिंध, चंबल और गंगा-यमुना सहित सात पवित्र नदियों के जल से भरी कावड़ उठाकर जब तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने जैसे ही पदयात्रा शुरू की, समूचा क्षेत्र भगवान भोलेनाथ, भगवान महेश और देवी-देवताओं के जयघोष से गूंज उठा। बोल बम और हर-हर महादेव के उदघोष ने परस्पर गार्डन से लेकर गुमाश्ता नगर स्थित शिव मंदिर तक के मार्ग को भक्ति भाव से लबरेज बनाए रखा। मार्ग में अनेक स्थानों पर यात्रियों के स्वागत, सत्कार, पुष्प वर्षा, फलाहार वितरण, आतिशबाजी और जयघोष के दृश्य भी देखने को मिले। यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल मातृशक्ति पीताम्बर एवं पुरुष भगवा धोती-कुर्ता या कुर्ता-पायजामा और गुलाबी एवं केशरिया साफा बांधे शामिल हुए। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं ने ग्रीन इंदौर-क्लीन इंदौर, स्वच्छ इंदौर, यातायात नियमों के प्रति जागरूकता और शाकाहार को प्रोत्साहित करने के संकल्प भी व्यक्त किए। संस्था माहेश्वरी कुटुम्ब के प्रमुख शारदा प्रकाश अजमेरा एवं सभा के अध्यक्ष अजय झंवर ने बताया कि परस्पर गार्डन से प्रारम्भ हुई इस अनूठी कावड़ यात्रा ने सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर भी आम लोगों का ध्यानाकर्षण किया। यात्रा में भगवान उमा महेश एवं भगवान भोलेनाथ और माँ पार्वती के चमत्कारों पर आधारित 7 झांकियां पूरे समय झिलमिलाती रही वहीं उज्जैन के भस्म रमैया भक्त मंडल के डमरू बैंड और भगवान शिव, पार्वती, नंदी पर सवाल बालिकाएं, शिवजी की बारात, नाचते-गाते राधा कृष्ण और शिव-पार्वती के श्रृंगार में सज-धजकर आए नन्हे-मुन्ने और अन्य समाज बंधु भी आकर्षण के केंद्र बने रहे।

मध्यप्रदेश के शिक्षक संघों की भूमिका पर एक गंभीर सवाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश में शिक्षकों के नाम पर दर्जनों मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त संघ और संगठन सक्रिय हैं। हर साल 5 सितंबर को बड़े-बड़े मंच सजते हैं, तालियां बजती हैं, उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान होता है और नेतागण मंचों से शिक्षकों के उज्जवल भविष्य की लंबी-लंबी बातें करते हैं। लेकिन, धरातल पर स्थिति क्या है?

- पुरानी पेंशन बहाली का गंभीर मुद्दा हो।
- क्रमोन्नत वेतनमान या समयमान वेतनमान का पेचीदा मामला हो।
- संविदा, अतिथि शिक्षकों और नियमित शिक्षकों की अपनी-अपनी समस्याएं हों।
- या फिर पदोन्नति और ट्रांसफर की विसंगतियां हों।

इन तमाम ज्वलनशील मुद्दों पर शिक्षकों का एक बड़ा वर्ग लगातार ठगा सा महसूस कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि *यदि शिक्षक संगठन वास्तव में 'संवर्ग हितैषी' हैं, तो वे अपनी मांगों के समर्थन में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस का विरोध या बहिष्कार क्यों नहीं करते?

आज प्रदेश का आम शिक्षक यह महसूस करने लगा है कि केवल ज्ञापन सौंपने और बैठकों के दौर से अब कोई ठोस परिणाम मिलने वाला नहीं है। सोशल मीडिया और शिक्षक मंचों से उठ रही आवाज़ों के मुताबिक, यदि संगठन सच्चे अर्थों में शिक्षकों के हितैषी हैं,

क्या संगठन सिर्फ गुमराह कर रहे हैं?

शिक्षक समुदाय के भीतर यह अविश्वास क्यों पैदा हो रहा है? इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि जब-जब शिक्षकों के बड़े आंदोलन या उग्र विरोध की बारी आती है, कई संगठन अंदरूनी समझौते या प्रशासनिक दबाव के आगे घुटने टेक देते हैं। आम शिक्षकों के बीच यह चर्चा आम हो चली है कि कुछ संगठन केवल कागजों पर अस्तित्व में हैं या फिर व्यवस्था के साथ मिलकर केवल शिक्षकों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। यदि संगठन वाकई शिक्षकों के प्रति वफादार हैं, तो उन्हें अपनी प्राथमिकताओं को तय करना होगा—*वे शिक्षकों की वाहवाही चाहते हैं या उनके अधिकारों की बहाली?

पुष्प दंतेश्वर महादेव आज निकलेंगे अपने भक्तों को दर्शन देने पालकी यात्रा में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बर्फानी धाम के पीछे गणेश नगर के शिव हनुमान मंदिर पर पुष्प दंतेश्वर महादेव की भव्य पालकी यात्रा इस वर्ष छठें वर्ष में श्रावण के द्वितीय सोमवार, 10 अगस्त को अपराह्न 4 बजे धूमधाम से निकाली जाएगी। इसके पूर्व दोपहर 2 बजे भगवान का रुद्राभिषेक, भव्य श्रृंगार एवं आरती भी होगी। उत्सव संयोजक तुलसीराम रघुवंशी ने बताया कि श्रृंगार के पश्चात पुष्प दंतेश्वर महादेव को सुसज्जित पालकी में विराजित कर भक्तों की टोली के साथ ढोल नगाड़े, झांझ मजीरे और भजन मंडली के साथ गणेश नगर से नगर भ्रमण पर ले जाया जाएगा। भगवान भोलेनाथ अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए निकलेंगे। मार्ग में अनेक स्थानों पर पालकी का मंच एवं तोरण द्वार लगाकर स्वागत किया जाएगा। जगह-जगह क्षेत्र के श्रद्धालु हर-हर महादेव और बोल बम के उद्घोष के बीच भगवान भोलेनाथ की पूजा आराधना कर उनसे समूचे अंचल में सुखद वर्षा के लिए प्रार्थना करेंगे। क्षेत्र के युवा एवं महिला मंडल भी इस यात्रा में शामिल होंगे।

वैश्य घटकों के जबरदस्त उत्साह को देखते हुए अभा परिचय सम्मेलन अब दो दिन चलेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में 30 वर्ष से अधिक आयु और उच्च शिक्षित विवाह योग्य प्रत्याशियों के लिए होने वाले वैश्य घटकों के परिचय सम्मेलन के प्रति समाज बंधुओं के जबर्दस्त उत्साह को देखते हुए मप्र वैश्य महासम्मेलन ने परिचय सम्मेलन का स्थान अब रवीन्द्र नाट्य गृह से बदलकर रिंग रोड स्थित दस्तूर गार्डन कर दिया है और सम्मेलन को एक दिन के बजाय दो दिन के लिए कर दिया है अर्थात अब यह सम्मेलन 26-27 सितम्बर को रिंग रोड स्थित दस्तूर गार्डन पर आयोजित होगा। सम्मेलन के लिए अब तक एक हजार से अधिक प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी हैं। शनिवार को फतेहपुरिया समाज भवन पर आयोजित शहर के 25 वैश्य घटकों की महत्वपूर्ण बैठक में अनेक महत्वपूर्ण

निर्णय लिए गए। बैठक को मप्र वैश्य कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष गिरीश अग्रवाल ने भी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित किया और सभी वैश्य घटकों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों के लिए श्रेष्ठतम जीवनसाथी के चयन हेतु इस परिचय सम्मेलन में अपनी प्रविष्ठियां अवश्य भेजें। यह परिचय सम्मेलन निश्चित रूप से इंदौर की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाएगा।

प्रसिद्ध भजन सम्राट विनोद अग्रवाल की स्मृति में भजन संध्या 16 अगस्त को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री हरि नाम संकीर्तन मंडल द्वारा प्रसिद्ध भजन सम्राट गोलोकवासी श्री विनोद अग्रवाल की स्मृति में 16 अगस्त को गीता भवन पर भजन संध्या आयोजित होगी। इसमें साधु संतों के प्रवचन होंगें। विनोद अग्रवाल के शिष्य भजन गायक विवेक मेहता ने बताया कि हर वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी 16 अगस्त को आयोजित भजन संध्या में कई संतों का आगमन होगा और संतों के आशिर्वचन होंगे। भगवान राधा कृष्ण का फूल बंगला सजेगा। कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो चुकी है, बैठकों का दौर चल रहा है। शहर के प्रसिद्ध भजन गायक विवेक मेहता मनमोहन भजनों की प्रस्तुतियां होगी। कार्यक्रम में इंदौर के अलावा दिल्ली, वृंदावन , राजस्थान एवं अन्य शहरों से भक्त सम्मिलित होंगे।

चरण, शरण और वचन में आज भी हमें भवसागर पार कराने की क्षमता - आदित्य मुनि म.सा.

इंदौर, 9 अगस्त। प्रभु के तीन प्रमुख आलंबन होते हैं – चरण, शरण और वचन। चरण आज प्रत्यक्ष नहीं हैं किन्तु उनकी शरण तथा जिनवाणी के रूप में उनके वचन आज भी हमें भवसागर से पार कराने की क्षमता रखते हैं। जिनशासन अनादि-अनंत परम्परा का प्रवाह है। हमारा सौभाग्य है कि हमें ऐसे महान शासन में जन्म मिला है। किसी व्यक्ति विशेष के होने या न होने से जिनशासन के अस्तित्व पर कोई प्रभाव नहीं होता। जरूरत केवल इतनी है कि हम जिनवाणी का अध्ययन कर प्रभु के आलंबन को स्वीकार करें और अपने जीवन को धर्ममय बनाएं।

ये प्रेरक आशीर्वचन रविवार को सुबह प.पू. आचार्य भगवन रामलाल महाराज के आज्ञानुवर्ती साधुमार्गी जैन समता संघ के शासन दीपक प.पू. आदित्य मुनि म.सा. ने गुमाश्ता नगर स्थित मुकुट मांगलिक भवन पर आयोजित धर्मसभा में भक्तामर स्त्रोत की अनुपम व्याख्या करते हुए व्यक्त किए। धर्मसभा में अटल मुनि म.सा. ने भी अपने आशीर्वचन दिए। उन्होंने कहा कि संत हमारे कल्याण का मार्ग बताते हैं लेकिन उसपर चलना प्रत्येक आत्मा का उत्तरदायित्व है। मीडिया प्रभारी मनीष बोहरा ने बताया कि गुमाश्ता नगर स्थित मुकुट मांगलिक भवन पर प.पू. आदित्य मुनि म.सा. आदिठाना तीन के सानिध्य में प्रतिदिन प्रवचनों की अमृतवर्षा हो रही है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु लाभ उठा रहे हैं। प्रवचन के पश्चात प्रतिदिन तत्वामृत की 15 से 20 मिनिट की विशेष कक्षा भी हो रही है जिसमें शिष्यों के आचार्य के प्रति और आचार्य के शिष्यों के प्रति कर्तव्य जैसे विषय पर विस्तृत विवेचन हो रहा है।

सम्पादकीय

कब बनेगी दिल्ली जल-भराव मुक्त? हर स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी

दिल्ली में जल-भराव की समस्या से निपटने के मुद्दे पर काम कम और सियासत ज्यादा होती है। हमेशा की तरह इस दफा भी यही देखने-सुनने को मिल रहा है। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में अन्य शहरों के मुकाबले हर मोर्चे पर व्यवस्था बेहतर होगी। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि यहां बरसात से जुड़ी समस्याएं वर्षों से जस की तस बनी हुई हैं। गर्मी के मौसम में यहां कई इलाकों में लोग पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस जाते हैं, तो बरसात में पानी घरों और सड़कों को ही डुबो देता है। दिल्ली में सत्ता भले ही बदलती रहती है, लेकिन व्यवस्था में कोई बदलाव या सुधार नजर नहीं आता है। यहां नई सरकार के कमान संभालने के बाद दावे किए जा रहे थे कि शहर को जल-भराव मुक्त बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, लेकिन बीते दो-तीन दिनों में दिल्ली में बारिश ने सरकार के इन दावों पर ही पानी फेर दिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, वर्ष 2011 के बाद अगस्त के पहले सप्ताह में शुक्रवार को यहां सबसे अधिक 127 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। जाहिर है कि जब एक घंटे की तेज बारिश में ही दिल्ली पानी-पानी हो जाती है, तो दिन भर की बरसात में क्या हाल होगा, इसके दृश्य इन दिनों कई जगह देखने को मिल रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश से एक बार फिर जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई प्रमुख सड़कें तालाब बन गईं, जिससे वाहनों की रफ्तार थम गई। महरौली-बदरपुर रोड से लेकर महिपालपुर, आइटीओ, शकरपुर और छतरपुर तक की सड़कें पानी में डूब गईं। खानपुर से ओखला मोड़ के बीच कई किलोमीटर तक गाड़ियां रेंगती नजर आईं। इस दौरान यात्री घंटों जाम में फंसे रहे। इसके अलावा कई इलाकों में घरों में पानी भर जाने से लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि सरकार की ओर से जो दावे किए जा रहे थे, उनका आधार क्या था? अगर जल-भराव की समस्या को खत्म करने के लिए प्रयास किए गए, तो उनका नतीजा जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा है? आखिर क्या वजह है कि बारिश के पानी की निकासी से जुड़ी योजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है! गौरतलब है कि सरकार की ओर से हर साल बरसात शुरू होने से पहले सीवेज की नालियों और बड़े नालों की सफाई का जोर-शोर से अभियान शुरू किया जाता है।

डिजिटल युग में सुरक्षा बनाम स्वतंत्रता : मेटा विवाद, पोक्सो अधिनियम की धारा19 नियम और नियामकों का कड़ा रुख

वैश्विक स्तरपर डिजिटल क्रांति ने मानव सभ्यता को संचार, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संपर्क के ऐसे अवसर दिए हैं, जिनकी कुछ दशक पहले कल्पना भी कठिन थी। आज अरबों लोग प्रतिदिन फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निर्भर हैं। व्यक्तिगत संवाद से लेकर सरकारी योजनाओं,व्यापारिक लेन-देन, शिक्षा, न्यायिक प्रक्रियाओं और वैश्विक कूटनीति तक डिजिटल माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। जितनी तीव्र गति से डिजिटल सुविधाएँ बढ़ी हैं, उतनी ही तीव्र गति से साइबर अपराध, भ्रामक सूचनाएँ, डीपफेक, ऑनलाइन ठगी, डेटा गोपनीयता के संकट तथा बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। यही कारण है कि अब पूरी दुनियाँ में यह प्रश्न प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या तकनीकी कंपनियाँ केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित रह सकती हैं अथवा उन्हें अपने प्लेटफॉर्म पर होने वाले अपराधों की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी भी उठानी होगी।हाल के घटनाक्रमों ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। 7 अगस्त 2026 को इस पूरे मुद्दे पर कानूनी और मानवाधिकारों के संरक्षण की दिशा में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक ऐतिहासिक और बेहद कड़ा कदम उठाया है।आयोग ने इस विषय पर स्वत:संज्ञान लेते हुए को मेटा इंडिया और भारत के आठ प्रमुख राज्यों (दिल्ली, पंजाब, तेलंगाना, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और बिहार) के पुलिस महानिदेशकों को विस्तृत नोटिस जारी किया। एनएचआरसी ने जांच के लिए 50 विशिष्ट इंटरनेट लिंक कानून प्रवर्तन एजेंसियों और मेटा के साथ साझा किए हैं। आयोग का स्पष्ट मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री का लगातार बने रहना बच्चों की गरिमा, निजता और उनके मौलिक मानवाधिकारों का निरंतर उल्लंघन है। यह पूरी कार्रवाई मुख्य रूप से भारत के यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम यानी पोक्सो कानून, 2012 के कड़े नियमों के तहत की जा रही है। पोक्सो अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत, किसी भी व्यक्ति या मध्यवर्ती संस्था (जैसे मेटा) को यदि बच्चों के खिलाफ यौन अपराध या ऐसी सामग्री के प्रसार की जानकारी मिलती है, तो उसकी तुरंत रिपोर्ट करना अनिवार्य है। इस कानून के तहत बाल यौन शोषण सामग्री को देखना, संग्रहीत करना या उसका प्रसार करना एक गंभीर और गैर-जमानती आपराधिक कृत्य है एनएचआरसी ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों की साइबर क्राइम इकाइयाँ और विशेष किशोर पुलिस इकाइयाँ इन लिंक्स की गहन जांच करें, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें और यदि मेटा की ओर

से जानबूझकर अनदेखी या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी पोक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत आपराधिक मुकदमा चलाया जाए।यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि भविष्य में डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही केवल व्यावसायिक नहीं बल्कि सामाजिक और संवैधानिक भी होगी। वर्तमान समय की एक और महत्वपूर्ण वास्तविकता यह है कि मनुष्य डिजिटल व्यवस्थाओं पर अभूतपूर्व रूप से निर्भर हो चुका है। परिवार, व्यापार, बैंकिंग, चिकित्सा, शिक्षा और प्रशासनिक कार्य अब मोबाइल एप्लीकेशनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संचालित होने लगे हैं।ऐसे में यदि किसीतकनीकी कारण से किसी उपयोगकर्ता का अकाउंट अचानक अंडर रिव्यू में चला जाए या बिना पूर्व सूचना के अस्थायी रूप से बंद हो जाए, तो उसका सामान्य जीवन प्रभावित हो जाता है।हाल ही में व्हाट्सएप द्वारा अनेक खातों को लगभग 24 घंटे के लिए समीक्षा के दायरे में रखने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुरक्षा प्रणालियाँ अपराधियों को रोकने के साथ-साथ कभी-कभी निर्दोष उपयोगकर्ताओं को भी प्रभावित कर सकती हैं। इससे यह प्रश्न और गंभीर हो जाता है कि डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करते समय नागरिकों के अधिकारों और तकनीकी त्रुटियों के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।दूसरी ओर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील सामग्री, फर्जी विज्ञापनों और बाल यौन शोषण सामग्री के प्रसार ने सरकारों और नियामक संस्थाओं को कठोर रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया है। खोजी रिपोर्टों में ऐसे आरोप सामने आए कि कुछ सशुल्क विज्ञापन अप्रत्यक्ष रूप से अवैध सामग्री तक पहुँचने का माध्यम बन रहे थे। यदि किसी डिजिटल विज्ञापन प्रणाली का उपयोग अपराधी संगठित रूप से कर सकें,तो यह केवल प्लेटफॉर्म की तकनीकी कमजोरी नहीं बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का प्रश्न बन जाता है। इसी कारण संभवत: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा से तत्काल स्पष्टीकरण माँगा तथा ऐसे विज्ञापनों को हटाने के निर्देश दिए। यह संदेश स्पष्ट है कि डिजिटल विज्ञापन से होने वाला आर्थिक लाभ सामाजिक उत्तरदायित्व से ऊपर नहीं हो सकता। इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण आयाम बाल अधिकारों की सुरक्षा है।भारत का पॉक्सो अधिनियम, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों से संरक्षण हेतु विश्व के सबसे कठोर कानूनों में से एक माना जाता है। इसकी विभिन्न धाराएँ बाल यौन शोषण सामग्री के निर्माण, भंडारण, प्रसार अथवा व्यावसायिक उपयोग को गंभीर अपराध घोषित करती हैं। साथ ही यह भी अपेक्षा करती हैं कि यदि किसी डिजिटल मध्यस्थ को ऐसी सामग्री की जानकारी मिले तो वह तत्काल कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित करे। इस प्रकार कानून केवल अपराधियों को दंडित करने तक सीमित नहीं है बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को सक्रिय सहयोगी बनने की जिम्मेदारी भी सौंपता है। यही कारण है कि यदि किसी कंपनी द्वारा लापरवाही सिद्ध होती है तो उसके विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तथा पॉक्सो कानून के अंतर्गत कठोर कार्रवाई संभव हो सकती है। राष्ट्रीयमानवाधिकार आयोग द्वारा आठ राज्यों के पुलिस प्रमुखों को नोटिस जारी करना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं बल्कि एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति का संकेत है। आयोग ने संदिग्ध इंटरनेट लिंक संबंधित एजेंसियों को उपलब्ध कराकर विस्तृत जांच,साइबर फॉरेंसिक विश्लेषण, आईपी एड्रेस ट्रैकिंग तथा आवश्यक होने पर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। विशेष किशोर पुलिस इकाइयों और साइबर अपराध शाखाओं की भूमिका इस मामले में अत्यंत महत्वपूर्ण होगी क्योंकि डिजिटल अपराध अक्सर अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से संचालित होते हैं। इसलिए केवल तकनीकी जांच ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग, डेटा साझा करने की व्यवस्था और डिजिटल साक्ष्यों का सटीकता से संरक्षण भी आवश्यक होगा।

इस पूरे विवाद ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के अंतर्गत मिलने वाले सेफ हार्बर संरक्षण पर भी नई बहस प्रारंभ कर दी है।अब यह विचार तेजी से उभर रहा है कि यदि कोई सोशल मीडिया कंपनी अपने प्लेटफॉर्म पर अवैध सामग्री को रोकने में बार-बार विफल रहती है या नियामकीय निर्देशों का पालन नहीं करती, तो उसे कानूनी संरक्षण का लाभ स्वत: नहीं मिलना चाहिए। प्रस्तावित आईटी नियमों में भ्रामक सामग्री, डीपफेक और बाल यौन शोषण सामग्री को निश्चित समय-सीमा के भीतर हटाने की अनिवार्यता, विज्ञापनदाताओं का केवाईसी सत्यापन, अधिक पारदर्शी कंटेंट मॉडरेशन प्रणाली तथा एल्गोरिदमिक जवाबदेही जैसे प्रावधान शामिल किए जाने पर विचार हो रहा है। यदि ये सुधार प्रभावी रूप से लागू होते हैं तो भारत डिजिटल नियमन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में सटीकता से महत्वपूर्ण कदम उठा सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। यूरोपीय संघ का डिजिटल सर्विसेज एक्ट, अमेरिका में बिग टेक कंपनियों पर बढ़ती संसदीय निगरानी,ऑस्ट्रेलिया तथा ब्रिटेन के ऑनलाइन सुरक्षा कानून और संयुक्त राष्ट्र द्वारा बच्चों की डिजिटल सुरक्षा पर लगातार दिए जा रहे दिशा-निर्देश इस बात का प्रमाण हैं कि विश्व समुदाय अब सोशल मीडिया कंपनियों से अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सक्रिय सुरक्षा उपायों की अपेक्षा कर रहा है। अब यह युग समाप्त होता दिखाई दे रहा है जब तकनीकी कंपनियाँ स्वयं को केवल मध्यस्थ बताकर प्रत्येक जिम्मेदारी से अलग कर लेती थीं। वैश्विक लोकतंत्रों में यह सिद्धांत मजबूत हो रहा है कि जहाँ तकनीकी शक्ति है, वहाँ सामाजिक उत्तरदायित्व भी सटीकता से अनिवार्य होना चाहिए। हालाँकि, इस पूरे विमर्श में एक महत्वपूर्ण संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। यदि सुरक्षा के नाम पर अत्यधिक स्वचालित नियंत्रण लागू कर दिएजाएँ तो निर्दोष उपयोगकर्ताओं के खाते निलंबित होने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित होने तथा वैध सामग्री हटाए जाने जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कंटेंट मॉडरेशन को पारदर्शी, उत्तरदायी तथा मानवीय समीक्षा से युक्त बनाना होगा। उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट अपील व्यवस्था, त्वरित शिकायत निवारण और निर्णय प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि अवैध सामग्री को रोकना। डिजिटल शासन का उद्देश्य केवल नियंत्रण नहीं बल्कि विश्वास स्थापित करना होना चाहिए।आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, न्यायपालिका नियामक संस्थाएँ तकनीकी कंपनियाँ, शिक्षण संस्थान, अभिभावक और सामान्य नागरिक सभी मिलकर डिजिटल नागरिकता की नई संस्कृति विकसित करें। बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन शिष्टाचार और डिजिटल जोखिमों के प्रति जागरूक बनाना, अभिभावकों को तकनीकी निगरानी के आधुनिक साधनों की जानकारी देना तथा समाज में जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना उतना ही आवश्यक है जितना कि कठोर कानून बनाना।तकनीक तभी मानव कल्याण का माध्यम बन सकती है जब उसके साथ नैतिकता संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व भी समान रूप से जुड़े हों।

लेखक - एडवोकेट **किशन सनमुखदास भावनानीं**, गोंदिया, महाराष्ट्र

आंचलिक

18 दिन बाद मिली लापता किशोरी, तलाश में जुटी पुलिस ने सुरक्षित बरामद किया

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● अमझेरा थाना क्षेत्र की दसई चौकी पुलिस ने 18 दिन से लापता किशोरी को सकुशल ढूंढ लिया। किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई 2026 को एक अज्ञात आरोपी किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। शिकायत पर अमझेरा थाना की दसई चौकी में अपराध क्रमांक 265/2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। किशोरी के लापता होने के बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में टीम ने संभावित ठिकानों पर जानकारी जुटाई और लगातार खोजबीन की। पुलिस के प्रयासों के बाद किशोरी को सकुशल ढूंढ लिया गया। किशोरी के मिलने के बाद पुलिस ने जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी की और उसे परिजनों को सौंप दिया। मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जांच कर रही है। कार्रवाई में अमझेरा थाना और दसई चौकी पुलिस की भूमिका रही।

विश्व आदिवासी दिवस पर धार मे निकला भव्य चल समारोह

अजय नलवाया (7879800048)
धार ● दैनिक इंदौर संकेत

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शहर मे आज भव्य चल समारोह जुलूस निकले जिसमे प्रकृति पूजक सनातनी आदिवासी भाई बहन अपनी पारंपरिक वाद्य यंत्र, पारंपरिक शस्त्रों सहित पारंपरिक वेशभूषा मे निकले साथ ही अपनी संस्कृति का परिचय दिया जल जंगल जमीन का जुड़ाव ओर प्रकृति संरक्षण की झांकी भी देखने को मिली ! इसमें भील समाज सेवा संगठन जो कि अपने मूलभूत उद्देश्य डीजे दारू दहेज प्रतिबंध को लेकर कार्य करता है इस आधारित मूल रूप से विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में चल समारोह में यही झलकियां देखने को मिली जिसमें पारंपरिक शास्त्र पारंपरिक वेशभूषा में एवं पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ नृत्य करते हैं युवा थिरकते दिखे, पूर्व संस्कृति के अनुसार, भील समाज का एतिहासीक जुलूस इस वर्ष भी अपनी पुराने वाद्य यंत्र थाप माण्दल, ढोलकिया, फ़ेपरिया, थाली, तुड़बुड़ी व ग्रामीण क्षेत्र से दो स्पीकर साउंड लगी पिकअप वाहन, हाथों में समाज का झंडा, तीर कमान एवं अन्य सुरक्षा संसाधन लेकर जुलूस में शामिल हुए समाज के सभी युवा, वरिष्ठ, महिलाओ ने भी अपनी परंपरा अनुसार पुरानी संस्कृति, वैश,भूसा के साथ 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष में जिला स्तरीय चल समारोह धार में शामिल हुए तथा भील समाज द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी गढ़ कालिका माता मंदिर से घोड़ा चौपाटी, मोहन टॉकीज, पीजारवाड़ी, आनंद चौपाटी, राजवाड़ा, प्रो चौपाटी, नालछा दरवाजा, मोती चौक बाग ,अंतिम चौराहा होते हुए गढ़कालीका मांता मंदिर प्रांगण में समापन किया गया। इस अवसर पर भील समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम मुकाती, राष्ट्रीय सचिव रवि अनारे के नेतृत्व में युवा संभाग अध्यक्ष राहुल वास्केल, संभाग प्रभारी रमेश भूरिया, जिला अध्यक्ष कैलाश गावड़, महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती बाबरीबाई वसुनिया, श्रीमती सपना अजनारे वं समस्त महिला नारी अपनी परंपरा वेशभूषा के साथ सम्मिलित हुई, समाज के सभी साथी राजेंद्र मालीवाड़, धार तहसील अध्यक्ष विक्रम मेड़ा, ब्लॉक अध्यक्ष प्रेम परमार, जनपद उपाध्यक्ष राजू गीरवाल, धार नगर अध्यक्ष श्याम लाल मीणा, रतनलाल डोडियार, सोहन डावर, बहादुर मकवाना, दीवान चौहान, शेरु चौहान, मुकेश मावी, भय्यू डावर एवं समाज के सभी पदाधिकारीगण जोश जुनून के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी मुकेश वास्केल ने दी।

पर्यटकों की बढ़ती भीड़ और जाम से निपटने के लिए प्रशासन ने नई ट्रैफिक व्यवस्था लागू

दैनिक इंदौर संकेत

मांडू ● पर्यटकों की बढ़ती भीड़ और जाम से निपटने के लिए प्रशासन ने नई ट्रैफिक व्यवस्था लागू की है। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना के निर्देश पर एसडीएम राजकुमार हलधर की बनाई गई इस योजना का असर पहले ही दिन देखने को मिला और यातायात 40 प्रतिशत तक सुगम रहा। नए प्लान के मुताबिक, मुख्य चौराहे से सीधे रानी रूपमती मार्ग जाएं। लौटते समय खुरासानी विश्रांति भवन से बाएं होकर नीलकंठ मार्ग की तरफ निकलें। मुख्य चौराहे से जहाज महल जाने वाले रास्ते को बदलकर हाट बाजार पार्किंग में भेजा गया। यहां से पर्यटक पैदल जहाज महल जाएंगे। पानी की टंकी से हाट बाजार होते हुए सीधे तारापुर घाट से धामनोद-इंदौर हाईवे की तरफ रास्ता तय किया गया है। मांडू घूमकर वापस जाने वालों के लिए हाट बाजार पार्किंग से सीधे धार मार्ग का रास्ता तय किया गया है।

जगह-जगह लगाए गए दिशा-निर्देश बोर्ड

पर्यटकों की आसानी के लिए लुनेरा घाटी बाईपास, काकड़ा खो, आलमगीर गेट, मुख्य चौराहा, जहाज महल, अशर्फी महल, रानी रूपमती मार्ग, बाज बहादुर मार्ग और तारापुर घाट समेत कई जगहों पर महलों के नाम और दूरी दर्शाने वाले बोर्ड लगाए गए हैं।

15 अगस्त और वीकेंड के लिए खास तैयारियां

आने वाले 15 अगस्त और सप्ताहांत (वीकेंड) में भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल, बैरिकेडिंग और इमरजेंसी टीमों (त्क्रझ, फायर और मेडिकल) का इंतजाम किया गया है। सोमवार से गाड़ियों के जरिए प्रचार करके लोगों को नए रास्तों की जानकारी दी जाएगी। रविवार को पहले ही दिन 20 हजार से ज्यादा पर्यटक पहुंचे, जिनकी सुविधा और सुरक्षा के लिए पुलिस, राजस्व और नगर परिषद की टीम सड़कों पर तैनात रही।

मील कर्मचारी रिटायरमेंट वाले दिन डिजिटल अरेस्ट

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● तुम पहलगाम आतंकी हमले के दौरान पाकिस्तान के एजेंट रहे हो। हमारे पास सबूत हैं, तुम्हारे मोबाइल सिम से बातचीत का रिकॉर्ड हैं। बैंक खाते से ट्रांजेक्शन हुआ हैं, ये देखिए, हमारे पास आपके खाते की डिटेल हैं। इसी बैंक खाते में आपको पाकिस्तान से लाखों रुपए भेजे गए। आपने 5% कमीशन लेकर पूरा पैसा आतंकी संगठन से जुड़े लोगों को नकद में दिया हैं। यह बात एक ठग ने खंडवा निवासी सूतमील कर्मचारी को फोन कर बताई तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने हड़बड़ी में ठग को दो लाख रुपए फौरन ट्रांजेक्शन कर दिए। बाद में फिर एक बार फोन आने पर एक लाख रुपए दे दिए। करीब 15 दिन तक डिजिटल अरेस्ट जैसी स्थिति में रहने के बाद कर्मचारी थाने पहुंचा तो मामले में ठगी का खुलासा हुआ। पीड़ित कर्मचारी के मुताबिक, वे महाराष्ट्र के नागपुर में एक सूतमील में कर्मचारी थे। खंडवा के बसंत विहार में रहते हैं। 31 मार्च को वह कंपनी से रिटायर हुए, तब वे महाराष्ट्र में थे। इसी दिन उनके पास एक फोन आया और कॉलर ने कहा कि, वह क्राइम ब्रांच से बोल रहा हैं। उसने मेरा नाम और एड्रेस तक बता दिया और कहा कि, तुमने पहलगाम आतंकी हमले में आतंकवादियों की मदद की हैं। यह सुनकर मैं घबरा गया। ठग ने कहा कि मेरा एटीएम, बैंक खाता और मोबाइल सिम तक का इस्तेमाल आतंकी हमले और उनको हुई फंडिंग में इस्तेमाल हुआ हैं। मैंने इस बात से इंकार कर दिया तो ठग ने कहा कि, कोई बात नहीं हैं। घबराओ मत, फिलहाल आपके खिलाफ सिर्फ मनी लॉड्रिंग का मामला दर्ज किया गया हैं।

विश्व आदिवासी दिवस की महारैली ढोल-मांदल की थाप पर थिरके युवा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर शनिवार को शहर में आदिवासी समाज की ओर से विशाल महारैली निकाली गई। स्टेडियम ग्राउंड से सुबह करीब 11.30 बजे शुरू हुई महारैली करीब चार घंटे बाद शाम 3.30 बजे पुरानी अनाज मंडी पहुंची। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान ढोल-मांदल की थाप और आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा ने पूरे माहौल को आदिवासी संस्कृति के रंग में रंग दिया। बड़ी संख्या में युवा और समाजजन रैली में शामिल हुए। महारैली स्टेडियम ग्राउंड से शुरू होकर इंदिरा चौक, बस स्टैंड, बॉम्बे बाजार, घंटाघर और नगर निगम सहित शहर के प्रमुख मार्गों से निकली। इसके बाद रैली बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर पहुंची। जहां समाजजनों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां से रैली आगे बढ़ते हुए पुरानी अनाज मंडी पहुंची। महारैली में आदिवासी समाज के युवा पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। ढोल-मांदल की थाप के साथ युवाओं ने जमकर नृत्य किया। रैली में आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की झलक दिखाई दी। शहर के अलग-अलग स्थानों पर लोगों और सामाजिक संगठनों की ओर से रैली का स्वागत भी किया गया। महारैली के समापन के बाद पुरानी अनाज मंडी में मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ समाज के विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखे। प्रमुख वक्ता टी.आर. ब्राह्मने ने समाज के युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा अच्छी तरह शिक्षा प्राप्त करें और उच्च पदों पर पहुंचकर समाज और देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने युवाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के साथ ही समाज की एकजुटता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

मध्यप्रदेश के कोच अंकित शर्मा को मिलेगा 'बेस्ट मेंटर ऑफ द ईयर' सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया (डीसीसीबीआई) के वार्षिक खेल सम्मान के दूसरे संस्करण में मध्यप्रदेश के कोच अंकित शर्मा को दिव्यांग क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'बेस्ट मेंटर ऑफ द ईयर' सम्मान हेतु चयनित किया गया है। यह सम्मान उन्हें आगरा में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। मध्यप्रदेश दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन की सचिव आकांक्षु खुराना ने बताया कि अंकित शर्मा का चयन खिलाड़ियों के मार्गदर्शन, टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा

दिव्यांग क्रिकेट के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान के आधार पर किया गया है। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश दिव्यांग क्रिकेट टीम ने पटना नेशनल 2025 का खिताब जीता, जबकि पुणे और कश्मीर नेशनल प्रतियोगिताओं में उपविजेता रही। हाल ही में इंडिया-ए टीम में मध्यप्रदेश के छह खिलाड़ियों का चयन हुआ, जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। अंकित शर्मा ने इस सम्मान को मध्यप्रदेश के सभी दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे प्रदेश के दिव्यांग क्रिकेट परिवार की मेहनत, समर्पण और संघर्ष का सम्मान है।

इस स्वतंत्रता दिवस, ज़ी 5 लेकर आ रहा है भारत भाग्य विधाता, 26/11 के आतंकवादी हमलों के दौरान साहस की मिसाल बने गुमनाम नायकों की अनकही कहानी

मुंबई (एजेंसी) ● इस स्वतंत्रता दिवस, हिंदी ज़ी 5 14 अगस्त को भारत भाग्य विधाता; के एक्सक्लूसिव डिजिटल प्रीमियर के साथ दर्शकों को साहस, धैर्य और निस्वार्थ सेवा की भावना का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित करता है। पूरे भारत के दर्शकों तक दमदार, प्रेरणादायक और भारतीय संस्कृति से जुड़ी कहानियाँ पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, यह स्वदेशी ओटीटी मंच उन गुमनाम नायकों की असाधारण वीरगाथाओं को सामने लाता है, जिनकी बहादुरी, समर्पण और निस्वार्थ सेवा उन मूल्यों का सजीव प्रतीक है, जो हमारे राष्ट्र की पहचान हैं। भारत भाग्य विधाता; का लेखन और निर्देशन मनोज तापड़िया ने किया है। फिल्म का निर्माण क्षितिज स्टूडियोज़, मणिकर्णिका फिल्म्स और परमहंस क्रिएशन्स ने यूनोइया फिल्म्स एलएलपी तथा फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया है। फिल्म में कंगना रनौत के साथ गिरिजा ओक, स्मिता तांबे सहित कई अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नज़र आएंगे।

भारत भाग्य विधाता; 26/11 मुंबई आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह फिल्म भारत के इतिहास के सबसे दर्दनाक अध्यायों में से एक को फिर से सामने लाते हुए उन गुमनाम नायकों की कहानी दिखाती है, जिनकी बहादुरी और निस्वार्थ सेवा ने अनगिनत लोगों की जान बचाई। फिल्म की कहानी मुंबई के कामा और अल्ब्लेस अस्पताल में घटित होती है। इसमें नर्सों, वार्ड बॉय, सफाईकर्मियों, सुरक्षा कर्मचारियों और अस्पताल के अन्य स्टाफ की असाधारण बहादुरी को दिखाया गया है, जिन्होंने अपने मरीजों की सुरक्षा के लिए सबसे पहले मोर्चा संभाला। जब आतंकियों ने अस्पताल परिसर में घुसपैठ की, तब ये साधारण लोग असाधारण साहस का परिचय देते हुए मानवता की मिसाल बन गए। अपनी सुरक्षा के सीमित साधनों के बावजूद, उन्होंने कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण दिखाते हुए अपनी जान से पहले अपने मरीजों के जीवन को प्राथमिकता दी। अपने अद्भुत साहस और निस्वार्थ सेवा के जरिए यह फिल्म त्याग, करुणा और अटूट हौसले की भावपूर्ण कहानी प्रस्तुत करती है। साथ ही, यह विपरीत हालात में भी इंसानी हिम्मत और मानवता की ताकत का जश्न मनाती है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित भारत भाग्य विधाता भारत के इतिहास के एक महत्वपूर्ण दौर को उन स्वास्थ्यकर्मियों की नजर से सामने लाती है, जिन्होंने मुश्किल हालात के बीच असाधारण साहस का परिचय दिया। यह फिल्म सिर्फ एक रोमांचक थ्रिलर नहीं, बल्कि उन नर्सों, वार्ड बॉय और अस्पताल के अन्य कर्मचारियों को समर्पित एक भावुक श्रद्धांजलि है, जिनकी बहादुरी अक्सर सुर्खियों से दूर रह जाती है। कंगना रनौत एक नए और प्रभावशाली अंदाज में नजर आएंगी, उनके साथ गिरिजा ओक, स्मिता तांबे और अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। साहस, बलिदान और जज्बे की इस भावुक कहानी के जरिए फिल्म डर पर हिम्मत की जीत और इंसानी जज्बे की ताकत को सामने लाती है। इस स्वतंत्रता दिवस पर भारत भाग्य विधाता एक ऐसी फिल्म है, जिसे अपनी वॉचलिस्ट में जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

साई सुदर्शन की चोट बनी सरफराज के लिए मौका, टीम इंडिया में एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी) ● सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौरे पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। बीसीसीआई ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉले में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट मैच 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वह अब तक छह टेस्ट मैच ही खेल सके हैं। बोर्ड ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वह अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं।

कोरिया मास्टर्स : हान को हराकर अश्मिता ने जीता अपना पहला बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब

आसन (एजेंसी) ● भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने रविवार को खेले गये कोरिया मास्टर्स महिला एकल के फाइनल मुकाबले में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करे हुए अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता। आज यहां खेले गए मुकाबले में 26 वर्षीय अश्मिता चालिहा ने शुरुआत धीमी रहने और निर्णायक गेम में कड़ी चुनौती मिलने के बावजूद शानदार वापसी की। पहला गेम हारने के बाद उन्होंने 53 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया की 35वें नंबर की खिलाड़ी हान को 14-21, 21-14, 21-14 से हराकर यादगार जीत दर्ज की। अश्मिता की यह जीत भारतीयों के लिए लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल है। इससे पहले पिछले रविवार को तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन जीता था। भारतीय खिलाड़ी ने 3-0 की बढ़त बनाई और शुरुआत में 9-5 से आगे थीं, लेकिन हान ने जबरदस्त वापसी की और स्कोर 11-11 पर बराबर हो गया। चीनी खिलाड़ी ने अपनी लय बदली और लगातार कई अंक हासिल करके मैच पर पकड़ बनाते हुए गेम जीतकर बढ़त हासिल कर ली।

अश्मिता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए वापसी की। मध्यान के समय भारतीय खिलाड़ी 11-8 से आगे थीं और उसके बाद भी रैलियों पर उनका दबदबा बना रहा। हान अंतर कम

करने के लिए संघर्ष करती रहीं, जबकि अश्मिता ने अपनी बढ़त बनाए रखी। वह 17-10 से आगे हो गईं और फिर एक और आक्रामक शॉट के साथ 21-14 से गेम जीतकर मैच को निर्णायक गेम तक ले गईं। निर्णायक गेम की शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। अश्मिता ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड-गेम ब्रेक तक हान 11-9 से आगे हो गईं। अश्मिता ने हार नहीं मानी और धीरे-धीरे मैच को अपनी ओर मोड़ लिया। लाइन के पास एक सटीक विनर शॉट के साथ वह 12-11 से आगे हो गईं। एक बेहतरीन शॉट ने चालिहा की बढ़त 15-11 हो गई। भारतीय खिलाड़ी ने हान के कोर्ट में खाली जगहें ढूंढना जारी रखा और एक क्रॉस-कोर्ट विनर शॉट से स्कोर 19-14 हो गया। इसके बाद हान का रिटर्न शॉट बाहर चला गया, जिससे अश्मिता को अंक मिला और आखिरकार उन्होंने अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया।

'यादें' में नजर आएंगी उषा बचानी

मुंबई (एजेंसी) ● सोनी सब के धारावाहिक 'यादें' में अभिनेत्री उषा बचानी की एंट्री होने जा रही है। वह शो में वर्तिका का किरदार निभा रही हैं, जिन्हें प्यार से 'आई साहेब' कहा जाता है। वर्तिका, दिग्विजय उर्फ दिग्गी (अर्जुन पुंज) की मां हैं और उनके आगमन से कहानी में भावनाओं और रिश्तों की एक नई परत जुड़ने की उम्मीद है। 'यादें' अपने हास्य और दिलचस्प चिकित्सकीय मामलों के मिश्रण के जरिए दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। शो में डॉक्टर देव मेहता (इकबाल खान) का जीवन बदलते रिश्तों और अप्रत्याशित घटनाओं के बीच लगातार नए मोड़ ले रहा है। वहीं, दिग्विजय और डॉक्टर सृष्टि (गुलकी जोशी) शादी के बाद अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। वर्तिका एक गरिमामय महिला हैं, जो मजबूत मूल्यों और अटल सिद्धांतों में विश्वास रखती हैं। मराठी परंपराओं और

अपनी विरासत से गहराई से जुड़ी वर्तिका का मानना है कि व्यक्ति का वास्तविक चरित्र उसके रोजमर्रा के व्यवहार से सामने आता है। वह ईमानदारी, सम्मान और निरंतरता को सबसे अधिक महत्व देती हैं। अपने बेटे दिग्गी के साथ उनका गहरा रिश्ता कहानी में भावनात्मक गर्माहट लाने वाला है। वहीं, अपनी बहू से उनकी ऊंची अपेक्षाएं भी कहानी को दिलचस्प बनाने वाली हैं। अपने किरदार वर्तिका के बारे में उषा बचानी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार वर्तिका के बारे में पढ़ा तो वह उनकी गरिमा और शांत व्यक्तित्व से तुरंत प्रभावित हो गईं। उन्होंने कहा कि वर्तिका परंपराओं को महत्व देती हैं और यही खूबी उन्हें बेहद खास बनाती है। उन्हें अपने बेटे दिग्गी पर बेहद गर्व है और मां-बेटे का रिश्ता उनके किरदार की यात्रा का सबसे भावुक हिस्सा है। उषा बचानी ने 'यादें' से जुड़ने पर उत्साह जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि दर्शक 'आई साहेब' के किरदार को पसंद करेंगे और उनकी यात्रा से जुड़ेंगे। 'यादें' का प्रसारण सोनी सब पर सोमवार से शनिवार रात आठ बजे किया जाता है।

उज्जैन संभाग

सवारी की सुरक्षा के लिए पुलिस ने किया विशेष अभ्यास

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●सावन सोमवार को बाबा महाकाल की दूसरी सवारी निकलने वाली है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और वीवीआईपी के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में बाबा महाकाल की पालकी की सुरक्षा पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती है, खासकर जब श्रद्धालु बैरिकेड कूदकर पालकी को छूने का प्रयास करते हैं। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए उज्जैन पुलिस ने शनिवार को पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में विशेष अभ्यास किया। इस दौरान एक जिप्सी को पालकी का रूप दिया गया और उसके चारों तरफ लगभग 100 पुलिसकर्मियों की 'रस्सा पार्टी' बनाई गई। पुलिसकर्मियों ने रस्से के घेरे के साथ भीड़ के बीच पालकी को सुरक्षित आगे बढ़ाने का अभ्यास किया। अभ्यास में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को सादे कपड़ों में श्रद्धालुओं की भीड़ के रूप में शामिल किया गया। इन पुलिसकर्मियों ने जानबूझकर पालकी के करीब जाने और सुरक्षा घेरे के अंदर घुसने की कोशिश की। दूसरी ओर, रस्सा पार्टी में तैनात जवानों ने उन्हें रोकते हुए सुरक्षा घेरा बनाए रखा। सवारी के दौरान सबसे अधिक दबाव तब बनता है जब श्रद्धालु बाबा महाकाल की पालकी को छूने के लिए अचानक आगे बढ़ते हैं। पुलिस के सामने यह चुनौती होती है कि श्रद्धालुओं की आस्था भी बनी रहे और पालकी की सुरक्षा भी प्रभावित न हो। इस स्थिति का रिहर्सल में बार-बार अभ्यास कराया गया। पुलिस ने पालकी के चारों तरफ केवल एक रस्से का घेरा नहीं बनाया, बल्कि उसके बाहर भी पुलिसकर्मियों की दूसरी परत तैयार की। इसका उद्देश्य यह है कि यदि कोई व्यक्ति बाहरी घेरे को पार कर भी जाए, तो उसे मुख्य रस्सा पार्टी तक पहुंचने से पहले ही रोका जा सके।

सिंहस्थ : 7 दिन में तय होंगे मेला क्षेत्र के जोन, पार्किंग-से लेकर पेयजल तक की बनेगी योजना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● आगामी सिंहस्थ मेले को कितने जोन में बांटा जाएगा, यह अगले सात दिनों में तय हो जाएगा। संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई समन्वय बैठक में मेला क्षेत्र को अलग-अलग जोन में विभाजित करने का निर्णय लिया गया। संभागायुक्त ने अधिकारियों को जोनवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सिंहस्थ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, आवागमन, पार्किंग, सड़क कनेक्टिविटी, स्वच्छता और भीड़ प्रबंधन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर बैठक में चर्चा हुई।

संभागायुक्त ने मेला क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए प्रस्तावित अंडरपास के निर्माण, लेवलिंग का काम पूरा करने और श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी सड़कों के निर्माण की कार्ययोजना जल्द तैयार करने के निर्देश

दिए। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र को अलग-अलग जोन में बांटकर प्रत्येक जोन की जरूरत के अनुसार सड़क, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की योजना तैयार की जाए। अगले सात दिनों में प्रस्तावित जोन निर्धारित कर उनकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। सिंहस्थ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रस्तावित पार्किंग स्थलों के लिए भूमि का चिन्हांकन कर विस्तृत योजना बनाने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा नवनिर्मित स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए चेंजिंग रूम और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई।

काल भैरव मंदिर के बाहर पानी बेचने को लेकर विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● भैरवगढ़ थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध काल भैरव मंदिर के बाहर शुक्रवार शाम पानी की बोतल बेचने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। कहासुनी के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया, जो अब सामने आया है। वीडियो में दोनों पक्ष एक-दूसरे से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कराया। ग्राम चकभीतरी निवासी जीवन पिता चंदर सिंह चावड़ा अपने बड़े भाई लखन चावड़ा के साथ काल भैरव मंदिर के बाहर पानी की बोतल बेच रहा था। जीवन ने पुलिस को बताया कि इसी दौरान गांव के संदीप पिता स्वर्गीय गब्बर सिंह, अनिल चावड़ा, बंटी चावड़ा और एक अन्य युवक वहां पहुंचे। जीवन का आरोप है कि इन लोगों ने मंदिर के बाहर पानी बेचने के लिए प्रतिदिन 100 रुपए देने की मांग की। आरोपियों ने उस दिन के भी 100 रुपए मांगे। जीवन के मुताबिक उसने रुपए देने से इनकार किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और मारपीट होने लगी। आरोप है कि बंटी ने उसे पकड़ लिया, जबकि उसके साथ मौजूद एक युवक ने लोहे की पाइप से हमला कर दिया।

अफसरों की निगरानी में जिला अस्पताल, रोज होगा रियलिटी चेक

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ●जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन ने अब सख्त निगरानी शुरू करने की तैयारी कर ली है। मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए संयुक्त कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार स्तर के अधिकारी रोजाना अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। करीब एक महीने तक अधिकारी प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक अस्पताल में व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। इस दौरान मरीजों से सीधे बातचीत कर सुविधाओं का फीडबैक भी लिया जाएगा। साफ-सफाई, सुरक्षा, दवाओं, भोजन, स्टाफ और अस्पताल की अन्य व्यवस्थाओं में लापरवाही मिलने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों की ड्यूटी लगाते हुए आदेश जारी किए हैं। इसके तहत अधिकारी प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, मरीजों की सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था और स्टाफ की उपलब्धता समेत रोजमर्रा की व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी। अधिकारी मरीजों और उनके परिजनों से भी बातचीत करेंगे और अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के बारे में सीधे फीडबैक लेंगे।

निरीक्षण के दौरान मेटरनिटी वार्ड के गेट पर व्हीलचेयर और स्ट्रेचर की उपलब्धता भी देखी जाएगी। अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि जरूरत पड़ने पर मरीजों को दोनों सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो रही हैं या नहीं। इसके साथ ही अस्पताल की समग्र सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की स्थिति भी जांची जाएगी। कैमरे चालू हैं या नहीं, इसकी भी मौके पर पड़ताल की जाएगी। अस्पताल के किचन में मरीजों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था की भी जांच होगी। अधिकारी यह देखेंगे कि मरीजों को निर्धारित व्यवस्था के अनुसार भोजन मिल रहा है या नहीं। दवाओं के स्टॉक की भी जांच की जाएगी। इसमें उपलब्ध दवाओं की जानकारी लेने के साथ यह देखा जाएगा कि मरीजों को आवश्यक दवाएं समय पर उपलब्ध हो रही हैं या नहीं।

खातेगांव में स्थानीय वाहनों से टोल वसूली का विरोध, 18 अगस्त को टोल प्लाजा पर प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● खातेगांव में स्थानीय वाहनों से टोल वसूली के विरोध में एक बैठक आयोजित की गई। सुषमा स्वराज स्टेडियम में हुई इस बैठक में करीब 200 प्रबुद्धजनों ने टोल टैक्स के खिलाफ कड़ा विरोध जताया। बैठक में 18 अगस्त को टोल प्लाजा पर बड़े प्रदर्शन और चक्काजाम का निर्णय लिया गया। बैठक में 20 से अधिक वक्ताओं ने अपने विचार रखे। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि स्थानीय वाहनों से टोल वसूलना जनता पर सीधा आर्थिक बोझ है। लोगों को रोजाना काम के सिलसिले में खातेगांव-कन्नौद के बीच आना-जाना पड़ता है, जिससे उन पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ता है। इस विरोध प्रदर्शन को पूरी तरह से गैर-राजनीतिक रखने का फैसला किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समाज का हर वर्ग बिना किसी राजनीतिक जुड़ाव के इस आंदोलन में खुलकर शामिल हो सके।

बिना लैब टेस्ट खाद बेचने के आरोप में एफआईआर कंपनी मालिक और क्वालिटी कंट्रोलर पर केस

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● देवास में किसानों को मिलने वाली खाद की गुणवत्ता को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। औद्योगिक क्षेत्र स्थित श्री गणेश फास्फेट प्राइवेट लिमिटेड में कृषि विभाग की जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। इसके बाद फैक्ट्री मैनेजर दिनेश कुमावत और क्वालिटी कंट्रोलर महेश कुमार के खिलाफ औद्योगिक क्षेत्र थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। कंपनी पर निर्माण में आवश्यक तत्वों की पूर्ति न करने, रिकॉर्ड नहीं रखने और बिना प्रयोगशाला परीक्षण के उर्वरक बेचने का आरोप है। जांच टीम को फैक्ट्री में एनपीके 12:32:06 ग्रेन्यूलेटेड मिक्सचर फर्टिलाइजर का लगभग 25 मीट्रिक टन स्टॉक मिला। इस खाद का नमूना लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि खाद अमानक पाई जाती है, तो निर्माता और अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। यह कार्रवाई कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर जिले में उर्वरक निर्माता, विक्रेता और भंडारण केंद्रों की गुणवत्ता जांच के लिए चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा

है। उपसंचालक कृषि जीएस मोहनिया ने बताया कि प्रयोगशाला जांच में उर्वरक अमानक पाए जाने या नियमों का उल्लंघन प्रमाणित होने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के तहत कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद खरीदें, पक्का बिल लें और बोरी पर लॉट नंबर, निर्माण तिथि, पोषक तत्वों तथा निर्धारित मूल्य की जांच अवश्य करें।

निगम को नहीं मिल रहे ठेकेदार, भवन निर्माण के लिए 9वीं बार निकाला टेंडर

समय पर भुगतान नहीं होना सबसे बड़ी वजह, ठेकेदारों ने बनाई दूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम को अपने ही जोन कार्यालय भवन के निर्माण के लिए ठेकेदार नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब निगम को एक ही विकास कार्य के लिए नौ-नौ बार टेंडर निकालने पड़ रहे हैं तो शहर के विकास कार्यों में तेजी कैसे आएगी। विपक्ष ने इसके लिए निगम पर ठेकेदारों के 1600 करोड़ रुपए बकाया होने का आरोप लगाया है। हालांकि निगम के लेखा विभाग ने वर्तमान देनदारी करीब 600 करोड़ रुपए बताई है। इसके बावजूद ठेकेदारों का काम करने से दूरी बनाना चिंता का विषय है। नगर निगम कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन से जुड़े एक ठेकेदार ने बताया कि समय पर भुगतान नहीं मिलना सबसे बड़ी समस्या है। ठेकेदारों का कहना है कि करोड़ों रुपए के काम कराने के बाद भुगतान के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है।

गुणवत्ता से समझौता नहीं

जनकार्य विभाग के प्रभारी एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने कहा कि घटिया निर्माण या समय पर काम पूरा नहीं करने की स्थिति में भुगतान रोका जाता है। ठेकेदार अपनी खामियां नहीं बताते, लेकिन घटिया निर्माण होने पर जवाबदेही निगम की होती है। जनता ठेकेदार को नहीं, निगम को जिम्मेदार मानती है।

70 करोड़ के कार्य रुके

8 अगस्त 2026 की ताजा ई-टेंडर सूची में जोन-4 के जोनल कार्यालय में नया कमरा और अन्य निर्माण कार्य के लिए नौवीं बार टेंडर कॉल किया गया है। वहीं भागीरथपुरा वार्ड-11 में सड़क निर्माण के लिए छठी बार टेंडर जारी हुआ है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निवास क्षेत्र सुदामा नगर के ई-सेक्टर वार्ड-82 में शंकराचार्य द्वार से टोयोटा सर्विस सेंटर तक सड़क निर्माण का टेंडर चौथी बार कॉल किया गया है। ठेकेदार नहीं मिलने से करीब 70 करोड़ रुपए के विकास कार्य अटके हुए हैं।

टेंडर में फंसी 'मुस्कान', डेंटल अस्पताल में अब तक नहीं लगी 3.25 करोड़ की मशीनें

थ्रीडी स्कैन सहित अन्य जांचों के लिए निजी सेंटर पर मोटी रकम खर्च कर रहे मरीज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिस सरकारी डेंटल अस्पताल में आवश्यक आधुनिक मशीनों की कमी मरीजों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री में सवा करोड़ रुपए की कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीबीसीटी) और करीब दो करोड़ रुपए की कम्प्यूटर एडेड डिजाइनिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग (सीएडी/सीएएम) मशीन अब तक स्थापित नहीं हो सकी हैं। इसके चलते मरीजों को थ्रीडी स्कैन, इम्प्लांट प्लानिंग और अन्य उन्नत जांचों के लिए निजी सेंटरों का रुख करना पड़ रहा है।

अस्पताल में प्रतिदिन करीब 700 मरीज पहुंचते हैं। इम्प्लांट, जटिल रूट कैनाल, जबड़े की सर्जरी और प्रोस्थेटिक उपचार के मामलों में सीबीसीटी जांच जरूरी होती है, लेकिन मशीन उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को निजी संस्थानों में हजारों रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2025 में सीबीसीटी मशीन का टेंडर पूरा कर निजी एजेंसी को कार्यादेश जारी किया गया था, लेकिन एजेंसी ने काम शुरू नहीं किया। अब अस्पताल प्रबंधन नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है और इस वर्ष दोनों मशीनें स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

क्यों जरूरी हैं ये मशीनें

सीबीसीटी मशीन दांतों और जबड़ों की त्रि-आयामी तस्वीर उपलब्ध कराती है, जिससे हड्डियों, नसों और ट्यूमर जैसी समस्याओं का सटीक आकलन संभव होता है। वहीं सीएडी/सीएएम तकनीक से क्राउन, ब्रिज और कृत्रिम दांत कम समय में अधिक सटीकता के साथ तैयार किए जा सकते हैं।

पॉकेट गवाह पर टीआई इंद्रमणि पटेल केस में सीपी संतोष सिंह दे चुके हैं सुप्रीम कोर्ट में शपथ-पत्र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी दिनेश वर्मा को एसआई पद पर डिमोशन के सीपी संतोष सिंह के ताजा फैसले ने पुलिस विभाग में हलचल मचा दी है। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के मामले में नहीं बल्कि पॉकेट गवाह पेश करने के आरोप और फिर विभागीय जांच के आधार पर हुई है।

पॉकेट गवाह का यह पहला मामला नहीं है। यदि हर थाने की जांच कराई जाए तो हर थाने में ऐसे चर्चित नाम हैं, जो कई केस में पुलिस के लिए गवाह बनने का काम करते हैं।

सीपी संतोष सिंह ने दिया था शपथ-पत्र-इस मामले में सबसे बड़ा मामला चंदननगर थाने का था, जिसमें मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया। वहां बेंच ने इतनी नाराजगी जाहिर की कि इंद्रमणि पटेल को टीआई की कुर्सी छोड़ने का आदेश ही लिखित में कर दिया।

इस मामले में संतोष सिंह ने शपथ-पत्र दिया था। हालांकि इसमें निचले स्तर के जांच अधिकारियों को तो नोटिस हुए, लेकिन टीआई पर विभागीय जांच नहीं की गई।

शपथ-पत्र में यह कहा गया था-सीपी संतोष सिंह के शपथ-पत्र में था कि इस केस में दस्तावेजों से यह स्पष्ट है कि स्टॉक गवाहों का बार-बार उपयोग किया गया है, जिसमें संबंधित जांच अधिकारियों द्वारा ऐसे 37 गवाहों का कई बार उपयोग किया गया है।

डीसीपी, जोन IV, इंदौर, मध्य प्रदेश ने आवेदक द्वारा भेजे गए चार्ट में दर्शाए गए सभी जांच अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें उनसे यह स्पष्टीकरण देने को कहा गया है कि किन परिस्थितियों में उक्त गवाहों का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही, जांच की निष्पक्षता बनाए रखने तथा प्रक्रिया में आम जनता के विश्वास को ठेस न पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। सभी हितधारकों के साथ चर्चा करके वैकल्पिक उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

इंदौर मेट्रो : भूमिगत निर्माण के लिए टनल बोरिंग मशीन की लॉन्चिंग की तैयारी तेज

मेट्रो एमडी ने तीन घंटे तक किया भूमिगत निर्माण स्थलों का दौरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर मेट्रो के भूमिगत निर्माण कार्यों में अब तेजी आने वाली है, टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की लॉन्चिंग की तैयारियों के बीच मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक एस. कृष्ण चैतन्य ने रविवार सुबह छह बजे से करीब तीन घंटे तक भूमिगत मेट्रो निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था और टीबीएम लॉन्चिंग से पहले की तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। प्रबंध संचालक ने एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन से रेलवे स्टेशन तक प्रस्तावित भूमिगत कॉरिडोर के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया, इस दौरान एयरपोर्ट, बीएसएफ, कालानी नगर, रामचंद्र नगर, बड़ा गणपति, छोटा गणपति, राजवाड़ा और रेलवे स्टेशन मेट्रो स्टेशनों पर चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधियों से कार्य की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी ली।

राजवाड़ा पर विशेष फोकस-निरीक्षण के दौरान घनी आबादी वाले बड़ा गणपति और राजवाड़ा क्षेत्र में भूमिगत निर्माण को देखते हुए यातायात और जनसुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। एमडी ने निर्माण एजेंसियों से सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए।

पीन कोड को अलविदा, डाक विभाग लाया डीजीपीन अपना डिजिटल पता कैसे पता करें?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर/नई दिल्ली ● पिन कोड का दौर, जो डाक पतों की पहचान हुआ करता था, अब खत्म हो गया है। इसकी जगह भारतीय डाक विभाग ने 'डीजीपीन' नाम का एक डिजिटल पता सिस्टम शुरू किया है। अब देश में 'डीजीपीन' ही नया पता सिस्टम होगा। जहाँ पारंपरिक पिन कोड एक बड़े इलाके को कवर करते थे, वहीं 10 अंकों वाला 'डीजीपीन' सिस्टम आपके घर या बिज़नेस की सटीक लोकेशन बताता है। आइए जानते हैं कि पिन कोड और 'डीजीपीन' में क्या अंतर है।

भारतीय डाक विभाग ने सटीक लोकेशन जानने के लिए 'डीजीपीन' सिस्टम शुरू किया है। 'डीजीपीन' एक 10 अंकों का डिजिटल कोड है। पारंपरिक पिन कोड के उलट, जो एक बड़े इलाके को कवर करता था, 'डीजीपीन' सटीक लोकेशन की जानकारी देगा। यानी, इस 'डीजीपीन'के ज़रिए आपके घर या बिज़नेस की सही लोकेशन का पता लगाया जा सकता है। आप 'डीजीपीन' बनाने और कोड खोजने के लिए बनाई गई सरकारी वेबसाइट पर जाकर अपने घर का कोड पता कर सकते हैं। 'डीजीपीन' का फ़ायदा यह है कि यह चिट्ठी-पत्री को सही जगह पहुँचाएगा और एम्बुलेंस व फायर ब्रिगेड जैसी इमरजेंसी सेवाओं को लोकेशन समझकर सही जगह पहुँचने में मदद करेगा। उम्मीद है कि 'डीजीपीन' ग्रामीण इलाकों समेत दूर-दराज़ के इलाकों में भी फ़ायदेमंद साबित होगा। दावा किया जा रहा है कि 'डीजीपीन' न सिर्फ़ चिट्ठी-पत्री के लिए, बल्कि ई-कॉमर्स वेबसाइटों के लिए भी पार्सल को सही जगह पहुँचाने में सक्षम होगा।

अपना 'डीजीपीन' कैसे पता करें?

अपना 'डीजीपीन'पता करने के लिए सरकारी वेबसाइट तैयार की गई है। इस वेबसाइट पर जाकर और अपनी लोकेशन चुनकर आप अपना 10 अंकों का 'डीजीपीन'पता कर सकते हैं। 'डीजीपीन' को दूसरे पता सिस्टम से जो चीज़ अलग बनाती है, वह यह है कि आप चार मीटर के दायरे में अपनी सटीक लोकेशन जान सकते हैं।

इंदौर। विश्व आदिवासी दिवस पर कल इंदौर में आदिवासी समाज ने रैली निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

गांधी प्रतिमा निखरेगी नए स्वरूप में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के सबसे व्यस्तम मार्ग, महात्मा गांधी रोड, जो शहर का सबसे बड़ा मार्ग है ,यह बड़े गणपति से पलासिया चौराहे तक एमजी रोड कहलाता है, शहर के मध्य रीगल चौराहे के पास महात्मा गांधी की मूर्ति स्थापित है,चुकी पहले इसका स्वरूप बगीचे जैसा था, ओर इस चौराहे की सबसे खास बात यह है कि सबसे ज्यादा कबूतर इसी रोटरी के आस पास मिलते है, जैसे एक वक्त नगर निगम, शिवाजी मार्केट वाले प्रवेश द्वार पर चमगाड़ो से एक पेड़ पूरी तरह पटा रहता था व गांधी हॉल वाले शास्त्री ब्रिज के आस पास इतने तोते बैठते थे कि पत्तियां कम और तोते ज्यादा दिखते थे, बहरहाल, गांधी रोटरी में कबूतरों के एकत्रित होने और नियमित दान पुण्य करने वाले शहरवासी यहां कबूतरों को दाना डालने आते है ऐसी स्थिति में,चूहों की बहुतायत हो गई थी ओर जगह जगह बिल बना कर जमीन खोखली(पोली) कर दी थी, पूर्व में भी इंटरलॉक ब्लॉक लगाए मगर बप्पा के वाहन इतने शातिर की उन्होंने पेवर ब्लॉक भी अस्त व्यस्त कर घर बना लिया था,अब निगम के प्रयासों से पूरी रोटरी के अंदर, सरिए की जाल बिछा कर सीमेंटीकरण किया जाना है, हो सकता है निगम के इस प्रयास से गांधी प्रतिमा की रोटरी के अंदर पल रहे चूहों से मुक्ति मिल जाएगी।

स्मार्ट सिटी ने तीर्थ गोपीकॉन से 25 करोड़ की जमीन ली वापस, पहले 454 करोड़ की ले चुके

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश जल निगम में ठेकों के लिए 184 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी में घिरी तीर्थ कंपनी को इंदौर स्मार्ट सिटी ने एक और झटका दे दिया है। स्मार्ट सिटी ने एमओजी लाइन में बेचे गए 2088 वर्ग मीटर एरिया के प्लॉट का सौदा रद्द कर दिया है। यह सौदा अक्टूबर 2023 में हुआ था। कंपनी ने 25 करोड़ 71 लाख रुपए में यह जमीन ली थी।

बैंक गारंटी भी हुई जब्त-तीर्थ गोपीकॉन कंपनी ने यह सौदा करते हुए एमओजी लाइन में जमीन ली थी। इसके लिए ढाई करोड़ की बैंक गारंटी दी थी और बाद में एक करोड़ और जमा किए थे। वहीं, कंपनी पर सीबीआई केस होने और ईडी में भी मनी लॉन्ड्रिंग के केस में घिरने के बाद स्मार्ट सिटी ने यह सौदा रद्द करते हुए बैंक गारंटी को जब्त कर लिया।

कंपनी पहुंची हाईकोर्ट में-कंपनी स्मार्ट सिटी के फैसले के खिलाफ इंदौर हाईकोर्ट पहुंची है। कंपनी का तर्क है कि वह समय पर राशि जमा कर रही थी और 10 फीसदी से ज्यादा राशि दे चुकी थी। ऐसे में उसका सौदा रद्द नहीं किया जा सकता है। कंपनी का कहना है कि उसे इस जमीन को लेकर सितंबर 2024 में स्मार्ट सिटी ने पजेशन लेटर तक दे दिया था। हाईकोर्ट ने अभी इसमें पक्षकारों से जवाब मांगा है।

कंपनी ने इसके पहले इंदौर का सबसे बड़ा रियल स्टेट सौदा किया था। तब स्मार्ट सिटी की 15 एकड़ जमीन की खरीदी की थी, यह सौदा 454 करोड़ रुपए का था। इसके लिए 9.50 करोड़ की बैंक गारंटी दी थी। वहीं, बाद में जल निगम में 184 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी का खुलासा हुआ। इसके बाद कंपनी के एक-एक करके अन्य जगह की भी फर्जी बैंक गारंटी देने के खुलासे हुए। सीबीआई ने इसमें जांच करते हुए कंपनी के प्रमुख महेश कुंभानी सहित बैंक गारंटी से जुड़े बैंक के कर्मचारी व अन्य को गिरफ्तार किया। उज्जैन नगर निगम में फर्जी बैंक गारंटी का मामला सामने आया, जिसमें निगमायुक्त ने कंपनी पर केस दर्ज कराया। इसके बाद ईडी में भी मामला जांच के लिए चला गया। इन सभी को देखते हुए कंपनी के साथ स्मार्ट सिटी ने अपनी जमीन का दूसरा सौदा भी रद्द कर दिया है।

कॉलेजों में प्रवेश का अंतिम मौका अतिरिक्त सीएलसी चरण आज से

14 अगस्त तक चलेगा अतिरिक्त सीएलसी चरण, रिक्त सीटों पर मिलेगा प्रवेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश का एक और अंतिम अवसर दिया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी और सभी निजी कॉलेजों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) चरण आयोजित की जा रही है। यह प्रक्रिया 10 से 14 अगस्त तक संचालित होगी। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के निर्देश पर विद्यार्थियों को कॉलेजों में प्रवेश का अंतिम अवसर दिया जा रहा है।

अतिरिक्त सीएलसी चरण में प्रवेश केवल उपलब्ध रिक्त सीटों पर द्यपहले आओ, पहले पाओद्य के आधार पर दिया जाएगा। रिक्त सीटों की जानकारी विद्यार्थी के लॉगिन के साथ-साथ संबंधित कॉलेज के लॉगिन पर भी प्रदर्शित होगी। पंजीकृत विद्यार्थी संबंधित कॉलेज में सीधे पहुंचकर प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थी जिस कॉलेज में प्रवेश लेना चाहते हैं, वहां सीट उपलब्ध होने की स्थिति में सीधे कॉलेज पहुंचकर प्रवेश ले सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी अथवा किसी समस्या के समाधान के लिए संबंधित कॉलेज के हेल्प सेंटर से संपर्क किया जा सकेगा।

नए पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए एक कॉलेज का विकल्प

अतिरिक्त सीएलसी चरण में नए पंजीकृत विद्यार्थी केवल एक कॉलेज में पंजीयन कर सकेंगे। संबंधित कॉलेज के हेल्प सेंटर पर आवश्यक वेरिफिकेशन के उपरांत विद्यार्थी उसी दिन प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। अतिरिक्त सीएलसी प्रक्रिया 14 अगस्त को शाम 5 बजे तक संचालित होगी। निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त किया जा सकेगा। 14 अगस्त को शाम 5 बजे के बाद प्राप्त प्रवेश मान्य नहीं होंगे। संपूर्ण प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से संचालित की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।